राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष–26 | अंक–05 | नवम्बर, 2025 | कुल पृष्ठ–32 | मूल्य–₹ 15

75वीं राज्य परिषद को संबोधित करते हुए राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य एवं उपस्थित परिषद सदस्यगण

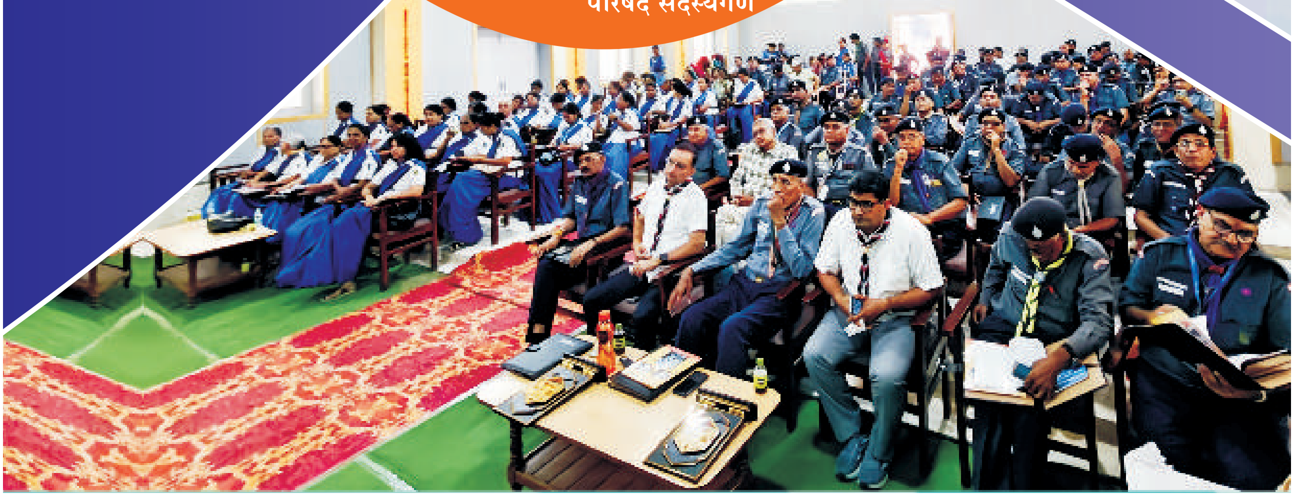

चित्र विथिका

राज्य परिषद के वार्षिक अधिवेशन में राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य को स्मृति चिन्ह प्रदान कर
स्वागत करते हुए बीकानेर के सहा.राज्य संगठन आयुक्त रामजस लिखाला

राज्य परिषद के वार्षिक अधिवेशन में उपाध्यक्ष डॉ. रूपराज भारद्वाज को
स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत करते हुए सहायक राज्य आयुक्त राजेन्द्र जोशी

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 26 अंक : 05
नवम्बर, 2025

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

आशीष मोदी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
टीकम चंद बोहरा, आई.ए.एस.
आर.पी. सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)
डॉ. एस.आर. जैन
डॉ. अखिल शुक्ला
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित वर्मा

सम्पादक
डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक
नीरज जैन

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
संपादकीय	4
स्काउट मास्टर बेसिक कोर्स	5
राज्य परिषद का 75वां वार्षिक अधिवेशन	6
अनुशासन से जीवन सुंदर बनता है	8
National Level Awareness cum Trekking Programme Report	10
झुंझुनूं में नवनिर्मित हट्स का उद्घाटन	12
19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी हेतु टेंट सिटी का भूमि पूजन	12
गतिविधि दर्पण	13
मेसेंजर ऑफ पीस स्टार अवार्ड	22
पर्यावरण संरक्षण : मैं हूँ पानी, मुझे बचाओ!	23
पर्यटन स्थल : विश्व धरोहर रणथंभोर दुर्ग	25
हमारा स्वास्थ्य : 10 कारण कि हम करें सूर्य से प्यार	26
हमारे महापुरुष : भारत रत्न : चन्द्रशेखर वेंकटरमन	27
दक्षता पदक	29
गतिविधि पञ्चांग	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/- संस्थागत शुल्क:150/-	1200/-

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

राष्ट्रीय जम्बूरी : श्रेष्ठता सिद्धी का अवसर

इस माह की 23 तारीख से लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में 19वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी आयोज्य है। प्रदेश संगठन ने भी इसके लिए लक्ष्य निर्धारित किया है। इतिहास गवाह है गत् 26 वर्षों से हमारे स्काउट गाइड जम्बूरी में सर्वोत्कृष्ठ प्रदर्शन कर उत्कृष्ट राज्य की वैजयन्ती (शील्ड) अपने नाम करते आ रहे हैं। परंपरा जारी रहनी है, पर इसके साथ ही हमें अपनी आन्तरिक श्रेष्ठता का परचम भी फहराना है। ऐसी आन्तरिक श्रेष्ठता जिसका तेज हमारे अन्तर से निकल कर सभी के मानस को आलौकित कर दे।

हमारी वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी जब प्रतियोगिता के फलस्वरूप हमारे प्रतिद्वंदी न केवल हमारी जीत का बखान करें वरन् हमारे रहन–सहन, आचार–विचार, बोल–चाल, आहार–व्यवहार आदि सभी की प्रशंसा करें। अर्थात् हमारा लक्ष्य वैजयन्ती जीतने के साथ साथ दिलों को भी जीतना है। समयावधि कम है परन्तु हौसले बुलन्द हैं। हमें शिविर की तैयारियों के साथ सभी पहलुओं पर अपना ध्यान केन्द्रित कर संभागियों व प्रतिभागियों में लक्ष्य प्राप्ति के लिए अप्रतिम जोश, कड़ी मेहनत, दृढ़ इच्छाशक्ति और कामयाबी की लगन का संचार प्रवाहित करना है। जम्बूरी में उत्साह और जोश की सरिता बहती रहे, इसका विशेष ध्यान रखना है। जम्बूरी एक ऐसी प्रतियोगिता है जो मुश्किल डगर पर कैसे चलना है, असफलता से कैसे पार पाना है, जिन्दगी के अनेक पड़ावों को तय करना है और कठिन हालात में भी मन चट्टान की तरह कैसे अडिग रहे....ये सिखाती हैं। जम्बूरी जैसे आयोजन इस तरह की प्रतियोगिताओं द्वारा मानसिक, बौद्धिक और शारीरिक कुशलता प्रदर्शित करने और इन्हें विकसित करने का मौका प्रदान करते हैं।

राष्ट्र निर्माण और जम्बूरी में सफलता के लिए सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं.....

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

गत माह बीकानेर में राज्य परिषद का वार्षिक अधिवेशन सफलता के साथ पूर्ण हुआ। हमारे स्टेट चीफ कमिश्नर श्रीमान निरंजन जी आर्य के मार्गदर्शन में संगठन ने अनेक कीर्तिमान स्थापित किए और वर्ष पर्यन्त गतिविधियों, शिविरों, रैलियों इत्यादि के सफल आयोजन हुए जिनका विवरण परिषद सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत कर संगठन की उपलब्धियों से सभी को अवगत कराय गया। अर्जित उपलब्धियों के लिए सभी को बधाई।

स्काउट गाइड के लिए अक्टूबर का महिना त्यौंहारों की मिठास के साथ गतिविधियों में सहभागिता का रहा। प्रदेश के जिलों में राजकीय कार्यक्रमों में भी स्काउट गाइड ने अपनी सेवाएं समर्पित की और इनके सेवा संस्कारों की प्रदेश सरकार के अनेक मंत्रियों, विधायकों, सांसदों और प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रशंसा की। महात्मा गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री की जयन्ति पर स्काउट गाइड ने न केवल स्वयं के कार्यक्रम आयोजित किए बल्कि जिला स्तरीय कार्यक्रमों के सफल आयोजन में सहयोग किया। माह के दौरान अनेक जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविरों में स्काउट गाइड ने सहभागिता कर अपनी योग्यता वृद्धि कर राज्य पुरस्कार प्रमाण पत्र हेतु उत्तीर्ण होकर एक कदम और आगे बढ़ाया है। प्रदेश के स्काउटर गाइडर की योग्यता वृद्धि और प्रशिक्षण दल में बढ़ोतरी के लिए नए स्काउटर गाइडर पंजीकृत करने हेतु अनेक बेसिक शिविरों का आयोजन प्रदेश की संख्यात्मक और गुणात्मक वृद्धि की दिशा में अग्रसर होना हम सभी के लिए गौरव की बात है।

मेरा सभी से आग्रह है कि प्रदेश के भारत स्काउट व गाइड संगठन को सदैव समाजोपयोगी बनाए रखने और सेवा भाव जगाए रखने की दृष्टि से निरंतरता के साथ गतिविधियों, शिविरों, समारोहों व रैलियों का आयोजन करते रहें।

सभी को हार्दिक शुभकामनाओं के साथ...

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

स्काउट मास्टर बेसिक कोर्स

मुख्य अतिथि निरंजन आर्य ने संभागियों को किया प्रेरित

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में राज्य प्रशिक्षण केंद्र, जगतपुरा पर आयोजित स्काउट मास्टर बेसिक कोर्स एवं डीएलएड स्काउट ग्रुप प्रशिक्षण शिविर का पाँचवाँ दिन उल्लास और उत्साह से भरा रहा। इस दिन शिविरार्थियों एवं प्रशिक्षुओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ–साथ स्काउटिंग के मूल्यों पर विचार साझा किए।

कार्यक्रम में स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बन्नालाल अतिथि के रूप में रहे। शिविर संचालक प्यारेलाल महला ने शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सहायक राज्य संगठन आयुक्त दामोदर प्रसाद शर्मा ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम का संचालन सी.ओ. शरद कुमार शर्मा ने किया।

मुख्य अतिथि निरंजन आर्य ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि स्काउटिंग केवल एक गतिविधि नहीं बल्कि अनुशासन, सेवा और सहयोग से भरी जीवनशैली है। यह युवाओं को चरित्र निर्माण, जिम्मेदारी और समाजसेवा की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर युवाओं में आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की भावना का संचार करते हैं।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में डीएलएड के छात्र–छात्राओं ने राजस्थानी बोल पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। साथ ही बेसिक कोर्स के संभागियों ने भी अपनी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। शिविरार्थियों ने अपने अनुभव और विचार साझा किए। बालचर आवासीय विद्यालय के छात्रों ने भी रंगारंग नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि विद्यालय की लेडी स्काउट मास्टर द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत कर सभी का स्वागत किया।

इससे पूर्व मुख्य अतिथि श्री निरंजन आर्य का पारंपरिक ढंग से तिलक लगाकर, बधावा गाकर तथा गार्ड ऑफ ऑनर देकर अभिनंदन किया गया। साथ ही उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर और स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर सहायक लीडर ट्रेनर सीताराम गुप्ता, धन्नालाल कोली, के.के. शर्मा, अतुल कुमार, ललित कुमार प्रजापत, जगदीश कुमार यादव, सी.ओ. जगतपुरा गगनदीप कौर सहित शिविर के प्रशिक्षक, अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

राज्य परिषद का 75वां वार्षिक अधिवेशन

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड की राज्य परिषद का 75वाँ वार्षिक अधिवेशन दिनांक 25 सितम्बर, 2025 को राजकीय डूंगर कॉलेज, बीकानेर में राज्य संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. रूपराज भारद्वाज की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में 107 सदस्यगण उपस्थित रहे। अधिवेशन की कार्यवाही का संक्षिप्त प्रतिवेदन निम्नानुसार है–

उद्घाटन

अध्यक्ष महोदय की स्वीकृति से प्रार्थना के साथ अधिवेशन की कार्यवाही का शुभारम्भ किया गया।

स्वागत एवं शुभकामना संदेश

राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन द्वारा सभी मंचासीन पदाधिकारियों एवं सदस्यों का स्वागत करते हुए माननीय राज्यपाल, माननीय शिक्षा मंत्री, चीफ नेशनल कमिश्नर एवं स्टेट चीफ कमिश्नर के शुभकामना संदेशों का पठन किया गया।

कार्यवृत्त की पुष्टि

74वें वार्षिक अधिवेशन (19 सितम्बर, 2024) की कार्यवाही, जो पूर्व में पत्रांक 5614 दिनांक 21.10.2024 द्वारा सदस्यों को ई–मेल एवं वेबसाइट माध्यम से प्रेषित की जा चुकी थी, सदन के समक्ष पुष्टि हेतु प्रस्तुत की गई, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई।

अनुपालन प्रतिवेदन

राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरणसिंह शेखावत द्वारा गत अधिवेशन के निर्णयों की अनुपालना रिपोर्ट सदन के समक्ष प्रस्तुत की गई, जिसे स्वीकृति प्रदान की गई।

वार्षिक प्रतिवेदन

सत्र 2024–25 की गतिविधियों एवं उपलब्धियों का वार्षिक प्रतिवेदन श्री पूरणसिंह शेखावत द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसकी पुष्टि की गई। तत्पश्चात् राजकीय डूंगर कॉलेज, बीकानेर के प्राचार्य श्री राजेन्द्र पुरोहित द्वारा परिषद सदस्यों का स्वागत किया गया।

लेखा प्रतिवेदन एवं ऑडिट रिपोर्ट

वित्तीय वर्ष 2024–25 का अंकेक्षित लेखा प्रतिवेदन एवं ऑडिट रिपोर्ट राज्य कोषाध्यक्ष की अनुपस्थिति में राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसे स्वीकृति प्रदान की गई।

बजट प्रस्तुति

वित्तीय वर्ष 2025–26 का बजट प्रस्ताव विचारार्थ प्रस्तुत किया गया, जिसे सदन द्वारा स्वीकृत किया गया। साथ ही वर्ष 2026–27 के लिए अनुमानित बजट के संचालन का अधिकार आगामी अधिवेशन तक माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर को प्रदान करने का प्रस्ताव भी अनुमोदित किया गया।

अंकेक्षक की नियुक्ति

वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए विजय दिनेश एण्ड कम्पनी, चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स, जयपुर को 30,000 मानदेय पर अंकेक्षक नियुक्त किया गया। उक्त संस्था राज्य मुख्यालय, इक्यूपमेंट स्टोर, एन.जी.सी. एवं आवासीय विद्यालय आदि के लेखों का अंकेक्षण भी करेगी।

अलंकरण एवं सम्मान

राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) श्री बन्नालाल द्वारा गत सत्र में घोषित अलंकरण, पुरस्कार तथा लीडर ट्रेनर योग्यता प्राप्त लीडर्स की सूचना सदन के समक्ष प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर स्थानीय संघ सम्मान पत्र, लीडर ट्रेनर ऑनरेबल चार्ज, बीड्स एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

सदस्यों के प्रस्ताव एवं सुझाव

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से निम्न प्रस्ताव/सुझाव विचारार्थ प्रस्तुत किए गए–

- जिला एसोसिएशन नियमों के अनुरूप स्थानीय संघों के नियमों में आवश्यक संशोधन किए जाएँ।
- बेसिक एवं एडवांस प्रशिक्षण शिविरों में पूर्णकालिक उपस्थिति अनिवार्य की जाए तथा प्रशिक्षण केन्द्रों पर आधुनिक प्रशिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जाए।
- स्थानीय संघों के प्रशिक्षण काउंसलर, प्रभारी सहायक जिला आयुक्त एवं सचिवों द्वारा ग्रुपों का निरीक्षण किया जाए।
- राज्य स्तरीय ट्रेनर्स मीट का आयोजन जयपुर के अतिरिक्त अन्य जिलों में भी किया जाए।
- जिला प्रशिक्षण केन्द्रों को आधुनिक सामग्री हेतु स्वीकृत बजट के अनुसार धनराशि प्रेषित की जाए।
- नवगठित जिलों में सर्कल ऑर्गेनाइजर्स की नियुक्ति राज्य सरकार की स्वीकृति अनुसार की जाए।
- जिला मुख्यालयों पर सचिव का दायित्व संबंधित सर्कल ऑर्गेनाइजर (स्काउट/गाइड) को सौंपे जाने का प्रस्ताव दिया गया।

स्टेट चीफ कमिश्नर का उद्बोधन

श्री निरंजन आर्य, स्टेट चीफ कमिश्नर ने अपने उद्बोधन में कहा कि राज्य में लगभग 18 लाख स्काउट गाइड्स को सक्रिय रखना हमारा लक्ष्य है। निष्क्रिय ग्रुपों को पुनः सक्रिय करने के लिए आत्मचिंतन एवं कार्य योजना आवश्यक है तथा निष्क्रिय ग्रुपों को सक्रिय करने का संकल्प लेकर यहाँ से जावें। संस्था प्रमुखों को प्रेरित कर अधिकाधिक ग्रुप सक्रिय किए जाएँ। साथ ही स्काउटिंग गाइडिंग के प्रचार–प्रसार पर बल दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि स्काउटिंग अभावों में जीना सिखाती है, अतः बार–बार नई–नई माँगें नहीं रखें।

अध्यक्षीय उद्बोधन

अध्यक्ष डॉ. रूपराज भारद्वाज ने परिषद सदस्यों का स्वागत करते हुए प्राप्त सुझावों पर स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय द्वारा विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि हम संख्यात्मक रूप से प्रगति कर रहे हैं, इसी वृद्धि के अनुसार गतिविधियों का आयोजन भी किया जाना चाहिए। संगठन के साथ अनेक चुनौतियाँ आ रही हैं, इन चुनौतियों का सामना कर संगठन को बढ़ाना है। उन्होंने यह भी कहा कि गतिविधियों के आयोजन को विभिन्न मीडिया माध्यमों से प्रचार–प्रसार किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिवेशन की व्यवस्थाओं हेतु आभार व्यक्त किया।

आभार प्रस्ताव

जिला सचिव, बीकानेर द्वारा सभी सम्मानित सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। अधिवेशन की कार्यवाही का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

गाइड की कलम से

अनुशासन से जीवन सुंदर बनता है

आरती कंवर
डाइट, कुचामनसिटी

खुद को तराशने का हुनर, शिविर ने सिखा दिया
दूसरों के लिए जीना है, जीवन का अर्थ हमें बता दिया..

स्काउट गाइड शिविर केवल तंबू लगाकर बिताया गया कुछ दिनों का आयोजन नहीं है बल्कि यह एक ऐसी शिक्षा यात्रा है जो युवा मनों में नए विचार, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का संचार करती है। शिविर में मिलने वाला प्रशिक्षण समूहगत गतिविधियों और नैतिक शिक्षा को मिलाकर प्रतिभागियों के व्यक्तित्व को निखारता हैं। उन्हें समाज के लिए सक्रिय नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

जब मुझे पता चला कि हमारे डाइट कॉलेज ने इस सात दिवसीय स्काउट गाइड कैंप का आयोजन 13 से 19 अक्टूबर 2025 तक राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला प्रशिक्षण केंद्र ताऊसर, नागौर में आयोजित किया है, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। चूंकि स्काउटिंग से जुड़ी ना होने के कारण मुझे कैंप के बारे में कुछ भी अनुमान नहीं था कि वहां क्या होगा, यह प्रश्न मेरे जहन में बार–बार आ रहा था। मेरे लिए जीवन में यह प्रथम अनुभव होने जा रहा था। इस कैंप के लिए मैं बहुत उत्साहित थी।

शिविर के पहले दिन प्रशिक्षण केंद्र में कदम रखते ही शिविर स्थल के वातावरण की उत्सुकता और उमंग ने मन को नई उम्मीद से भर दिया। शिविर का प्रथम चरण पंजीयन अत्यंत उत्साहित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। पंजीयन डेस्क पर उपस्थिति दर्ज करते ही हमें रोल नंबर एवं आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए गए। ध्वजारोहण समारोह का आयोजन पूरे जोश और अनुशासन के साथ किया गया। परिचय सत्र में वातावरण ने उत्सुकता और आत्मीयता से भर दिया था। सभी प्रशिक्षणार्थियों ने अपना नाम, स्थान और अपनी रुचियों का परिचय बड़े आत्मविश्वास के साथ दिया। इस सत्र ने हम सभी को एक परिवार की तरह जोड़ने का कार्य किया था। प्रशिक्षण केंद्र खुले परिसर में स्थित था। यहां विशाल मैदान, स्वच्छ जल सुविधा, सभागार, आवास व्यवस्था व्यवस्थित एवं स्वच्छ थी।

शिविर में संभागियों को दस दस की संख्या में टोली में रखा गया। टोलियों के नाम अनोखे अंदाज में रखे गए। जिसमें स्काउट टोली का नाम पशु पक्षियों के नाम पर रखा गया। जैसे टोली संख्या एक का नाम हाथी रखा गया। वहीं गाइड टोली का नाम फूलों के नाम पर रखा गया। हमारी टोली का नाम चमेली रखा गया और टोली का एक लीडर भी बनाया गया जो प्रतिदिन बदल जाता था। तत्पश्चात प्रथम दिवस के कालांश का शुभारंभ कुछ बेहतरीन तरीके से हुआ। एक सुंदर गीत को सुनने के पश्चात सभी संभागियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। यह उत्साह प्रथम दिवस से अंतिम दिवस तक इसी जोश के साथ बना रहा। शिविर के माध्यम से प्रशिक्षकों ने हमारा सर्वांगीण विकास करने का प्रयास किया।

इस सात दिवसीय शिविर में हमें अनेक गतिविधियों से रूबरू करवाया गया। जैसे प्राथमिक सहायता के दौरान हमें किन–किन वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए, रस्सी की विभिन्न प्रकार की गांठों की जानकारी, सीपीआर, व्यायाम और योग के लाभ, स्काउटिंग की अपने जीवन में मुख्य भूमिका बताई गई। शिविर के दौरान हमें प्रत्येक दिन कुछ ना कुछ नया सीखने को मिला। हमें वे सब जानकारियां प्रदान की गई जो प्रत्येक स्काउट और गाइड को होनी चाहिए। इस सात दिवसीय शिविर में हमें न सिर्फ स्काउटिंग के बारे में बताया गया बल्कि उसे जीवन में उतारने के लिए प्रेरित भी किया गया।

इस शिविर के दौरान हमने स्काउट प्रशिक्षकों से अनगिनत ज्ञान प्राप्त किया। उन्होंने हमें जीवन को एक नए दृष्टिकोण से जीने की कला सिखाई। अपने देश के प्रति सेवा का भाव जागृत किया। इस यात्रा में नागौर के सी.ओ. स्काउट मोहम्मद अशफाक पंवार ने हमें भाईचारे और निस्वार्थ सेवा की भावना से जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। उनका मुस्कुराता चेहरा और हर परिस्थिति में सुनाया गया ठहाका प्रत्येक संभागी के चेहरे पर खुशी का संचार कर रहा था। डीडवाना कुचामन जिले के जिला प्रशिक्षण आयुक्त शैलेश कुमार पलोड सर ने नेतृत्व की कला पर व्याख्यान

देते हुए हम सभी में लीडरशिप के गुण विकसित किये। उनकी कक्षा को देखकर महसूस हुआ कि स्काउटिंग में लंबा अनुभव किस प्रकार व्यक्तित्व को बड़ा बनाता है।

हमारे शिविर के स्काउट यूनिट लीडर और शिविर संचालक सुभाष पारीक लीडर ट्रेनर स्काउट परबतसर थे। जिनकी शिक्षाएं अद्वितीय और प्रेरणादायक थी। विलक्षण प्रतिभा के धनी सुभाष पारीक सर ने सभी संभागियों के दिलों में अपनी प्रतिभा से अमिट छाप छोड़ी। वह सिर्फ एक प्रशिक्षक के रूप में ही नहीं, बल्कि शिविर के दौरान संभागियों के बड़े भाई, दोस्त और मार्गदर्शक के रूप में थे। सुभाष सर शिविर की सबसे प्रेरणादायक हस्ती रहे। वे सदैव ऊर्जावान, मुस्कुराते हुए और विनम्र स्वभाव के साथ हमें मार्गदर्शन देते रहे। उनमें सभी प्रकार के कौशल निहित थे। हर क्षेत्र में उनकी प्रतिभा झलकती थी। उनकी मुस्कान और ऊर्जा ने पूरे वातावरण को जीवंत बनाए रखा। उन्हें देखकर सभी संभागियों में नई उमंग और सीखने का उत्साह भर जाता था। उन्होंने हमारे अंदर छुपी हुई प्रतिभा को सबके सामने लाने का भरपूर प्रयास किया। जिसमें वह सफल भी रहे। सभी संभागियों ने पूरे शिविर में अपनी झिझक को दूर करने का शानदार प्रयास किया।

वहीं प्रशिक्षक मदन रूनीवाल सर अपने अनुशासन और शांत स्वभाव के लिए पूरे शिविर में आकर्षण का केंद्र रहे। वे हर कार्य को अत्यंत संयम और निपुणता के साथ संपन्न करते थे। उनकी गंभीरता में एक सौम्य प्रेरणा झलकती थी। जो हमें अनुशासित और सजग बनने की सीख देती थी। उनका शांत और सधा हुआ व्यक्तित्व पूरी प्रशिक्षण शिविर की गरिमा को और बढ़ा रहा था। मदन सर की उपस्थिति से शिविर में शांति और अनुशासन का अद्भुत संतुलन बना रहा था।

शिविर के दौरान सभी स्काउट प्रशिक्षकों कानाराम पलिया सर, दिनेश कुमार गौड़ सर, गजेंद्र गेपाला सर, दामोदर प्रसाद, राजेश देवड़ा, सुरेन्द्र जाजड़ा, मंजू मैडम ने हमें अपनत्व की अनुभूति करवाते हुए स्काउटिंग की हर जानकारी से अवगत करवाया।

इस सात दिवस के शिविर में हमें हर प्रकार की जानकारी दी गई। विशाल कैंप फायर शिविर का मुख्य आकर्षण रहा। इस विशाल कैंप फायर में राजस्थान के लोकगीत, लोक नृत्य, लोकनाट्य, ग्रुप नृत्य आयोजित करवाए गए। इस दौरान कई छुपी हुई प्रतिभाएं हमारे समक्ष उजागर हुई और हमारा आत्मविश्वास एक नई दिशा की ओर बढ़ा।

सबसे अहम बात यह है इस शिविर में स्काउट गाइड के जनक लॉर्ड रॉबर्ट स्टीफेसन स्मिथ बेडेन पावेल की जीवनी से हमें परिचित करवाया गया। इससे हमारी स्काउट गाइड के प्रति समर्पण की भावना और बढ़ गई। शिविर की सबसे अच्छी बात यह रही कि यहां प्रत्येक कार्य निर्धारित समय पर संपन्न होता था। हर गतिविधि के लिए एक निर्धारित समय सारणी बनाई गई थी। जिससे हमारी दिनचर्या में अनुशासन और नियमितता का समावेश हुआ। इस समयबद्ध वातावरण से न केवल हमारा दैनिक जीवन व्यवस्थित किया गया बल्कि हमें इस समय के महत्व को समझने की प्रेरणा भी दी गई।

यह शिविर हमारे जीवन में नई ऊर्जा, नई सोच और आत्मविश्वास लेकर आया। यहां सीखी गई बातें और अनुभव सदैव हमारे साथ बने रहेंगे। जो हमें एक बेहतर इंसान बनने की राह दिखाएंगे। सच में यह शिविर सिर्फ एक प्रशिक्षण नहीं था बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला अनुभव था।

स्काउटिंग ने सिखाया अनुशासन से जीवन सुंदर बनता है और सेवा से मन शांत....

युवा शक्ति का महापर्व बनेगा जम्बूरी : योगी

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के आयोजन की तैयारियों की सीएम ने की समीक्षा

- कहा: आयोजन की मेजबानी गौरव की बात, उप्र की आतिथ्य क्षमता का परिचायक बने आयोजन
- 61 साल बाद मिली मेजबानी, 23 से 29 नवंबर तक डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में जुटेंगे 30 हजार प्रतिभागी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को अपने आवास में स्काउट गाइड डायमंड जुबली के ग्रैंड फिनाले और 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के आयोजन की तैयारी के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक करते • सूचना विभाग

National Level Camp

National Level Awareness cum Trekking Programme Report

The Bharat Scouts and Guides, District Headquarters Alwar (Rajasthan), had the proud privilege of organizing the National Level Awareness cum Trekking Programme – 2025, from 6th to 10th October, 2025 under the dynamic guidance and leadership of the Assistant Director (Youth Programme), National Headquarters, New Delhi. This five-day national event was aimed at promoting environmental awareness, adventure spirit, physical fitness, and national integration among the participating Scouts, Guides, Rovers, and Rangers from different parts of India.

Objectives of the Programme

To create awareness about climate change and environmental conservation among youth. To provide trekking and adventure experience through practical exposure to nature. To enhance team spirit, discipline, and leadership qualities among participants. To encourage inter-state friendship and cultural exchange through scouting activities. To inspire youth towards sustainable development and eco-friendly lifestyle.

Inaugural Ceremony (06.10.2025)

The grand opening ceremony of the programme was held on 6th October 2025 at Alwar. The event commenced with flag hoisting, Scout prayer, and lighting of the ceremonial lamp, followed by welcome address and introduction of guests. Chief Guests: Sh. Pooran Singh Shekhawat, State Organisation Commissioner (Scout), Rajasthan, Sh. Chetanya, Assistant Conservator of Forests (Sariska, IFS), Sh. Deepak Ji, Representative of Hon'ble Sh. Bhupendra Yadav, Union Minister for Environment, Forest and Climate Change, Sh. Bhavya, JMCC, Alwar, Sh. Kalra Ji, SGF Representative.

The dignitaries motivated the participants and emphasized the importance of environmental responsibility, discipline, and community service in Scouting and Guiding.

Participation

The event witnessed enthusiastic participation from different states and regions of India including: Karnataka, Uttar Pradesh, Eastern Railway Region, Northern Railway Region, Rajasthan. In total, a large contingent of Scouts, Guides, Rovers, and Rangers, accompanied by 10 trained staff members, participated in the programme. The camp received significant assistance and sponsorship from: Medical, Forest, Tourism Department, UIT Alwar, Nagar Nigam, Education and Transport Departments, Alwar Saras Dairy, and several local colleges and institutions.

The participants were provided with camp souvenirs such as water bottles, hand bags, caps, t-shirts, ID cards, diaries, and pens, while dignitaries were felicitated with mementoes as a token of appreciation.

Trekking and Adventure Activities

The trekking route covered significant

historical, spiritual, and natural sites around Alwar and the Sariska Tiger Reserve. The participants trekked through picturesque landscapes and eco-rich areas while learning about biodiversity and environmental conservation. Trekking Locations Included: Bhangarh Fort (Historical site), Neelkanth Temple and Hills, Maharaja Bhartrihari Temple, Narayani Mata Temple, Sarsa Mata Mandir, Pandupol Hanuman Ji Temple, Siliserh Lake and Palace, Company Garden and Alwar City Tour, Sariska Tiger Reserve National Park. The trekking experience gave the participants an opportunity to connect closely with nature, understand the importance of forests, wildlife, and ecological balance, and imbibe the spirit of adventure and endurance.

Environmental Awareness Seminar

A three-day short seminar on "Climate Change and Environmental Protection" was conducted during the camp. The sessions were effectively managed by the Alwar Rangers and YLACC (Youth Led Action for Climate Change). Activities included:Group discussions and awareness sessions, Before-and-after surveys on environmental attitude, Interactive presentations by youth participants, Cleanliness drives and plantation activities, Reflection on learnings and future commitments. These sessions helped the participants gain scientific understanding of environmental challenges and inspired them to act as "Green Messengers" in their respective regions.

Cultural and Social Activities

Each evening, participants from different states showcased their folk culture, music, and traditional performances, promoting unity in diversity.

Closing Ceremony (09.10.2025)

The closing ceremony was held on 9th October 2025, graced by several eminent guests: Hon'ble Sh. Sanjay Sharma Ji, Minister of Forest & Environment, Government of Rajasthan, Ms. Priyanka Raghuvanshi, SSP Alwar Rural (RPS), Smt. Neeta Sharma, Astt.State Org.Commissioner (Guide) Jaipur, Sh. Rajkumar Kaushik, Ex-Director, National Headquarters, BSG, Sh. Pramod Sharma, DTC Alwar, Sh. Rajendra Hooda, DFO Alwar, Sh. Yogendra Sharma, CMHO, Representatives from many colleges, and local dignitaries from BJP and civic bodies.

The dignitaries appreciated the efforts of Bharat Scouts and Guides, Alwar, in successfully conducting a national-level event with discipline, enthusiasm, and purpose.

Vote of Thanks

The Bharat Scouts and Guides, District Headquarters Alwar, expressed heartfelt gratitude to: National Headquarters, New Delhi, Rajasthan State Headquarters, Jaipur for their continuous guidance and support. Special thanks were extended to district administration, participating teams, organizing staff, volunteers, and supporting institutions for their cooperation in making the event a grand success. The programme concluded with the National Anthem, marking a memorable end to the five-day national camp full of adventure, learning, and camaraderie.

Outcome and Impact

Enhanced environmental awareness among participants. Strengthened inter-state friendship and cooperation. Promotion of eco-tourism and adventure learning in Rajasthan. Motivation among youth to contribute towards sustainable development goals (SDGs). Recognition of Alwar District as an active and capable host of national events.

Conclusion

The National Level Awareness cum Trekking Programme 2025 served as a remarkable platform for youth development through Scouting and Guiding. The event successfully achieved its objectives of education through adventure, environmental awareness, and promotion of peace and unity. The Bharat Scouts and Guides, District Headquarters Alwar, expresses its commitment to continue organizing such national and international-level programmes in the future, promoting the true spirit of Service, Discipline, and Brotherhood.

झुंझुनूं में नवनिर्मित हट्स का उद्घाटन

विधायक राजेंद्र भांबू ने किए उद्घाटन, स्काउट कार्यालय के विकास हेतु घोषित किए 15 लाख रुपये

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू में दो नवनिर्मित आवासीय हट्स का उद्घाटन समारोह बड़े ही उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इन हट्स का निर्माण भामाशाह उमेश रोहिल्ला, ओमप्रकाश डीग्रवाल तथा अनीता कटेवा (निवासी सारी) द्वारा कराया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक राजेंद्र भांबू, अध्यक्ष पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार, विशिष्ट अतिथि जिला प्रधान गंगाधर सिंह सुंडा तथा मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्य आयुक्त जयदीप सिंह झाझड़िया रहे।

सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त ये हट्स प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर, कब–बुलबुल एवं शिक्षकों के आवास हेतु उपयोग में लिए जाएंगे।

अतिथियों का स्वागत बधावा गीत व तिलक से किया गया तथा गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया गया। तत्पश्चात हट्स का उद्घाटन एवं भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित हुआ।

अपने संबोधन में पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार ने कहा कि "स्काउट गाइड संगठन अनुशासन और चरित्र निर्माण की पाठशाला है, जो राष्ट्र के लिए सुयोग्य नागरिक तैयार करता है।" उन्होंने भामाशाहों के इस नेक कार्य की सराहना की।

मुख्य अतिथि विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि "स्काउट गाइड बच्चों में संस्कार, सामाजिकता, आध्यात्मिकता व आत्मनिर्भरता का बीजारोपण करता है।" उन्होंने संगठन के ढांचागत विकास हेतु 15 लाख रुपये की सहायता की घोषणा करते हुए तत्काल 7.5 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की।

कार्यक्रम में विश्व भारती शिक्षण संस्थान सिंघाना की अध्यापिकाओं ने राजस्थानी लोकगीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत कर समां बाँध दिया, जिसकी सभी अतिथियों ने प्रशंसा की।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार, विधायक राजेंद्र भांबू, जिला अध्यक्ष गंगाधर सिंह सुंडा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी जयदीप झाझड़िया, सी.ओ. स्काउट महेश कालावत, सी.ओ. गाइड प्रियंका कुमारी, मान महेंद्र सिंह भाटी, प्रहलाद राय जांगिड़, रामावतार सब, रामानंद आजाद, रामदेव सिंह गढ़वाल, सुदेश यादव, कविराज, अमरचंद, उमेश रोहिल्ला, अनीता कटेवा, ओमप्रकाश डीग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक, प्रशिक्षु छात्र–छात्राएं, रोवर्स व रेंजर्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन स्काउट सचिव धर्मपाल सिंह ने किया।

19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी हेतु टेंट सिटी का भूमि पूजन

भारत स्काउट व गाइड, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित होने वाली 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी एवं ग्राण्ड फिनाले डायमण्ड जुबली जम्बूरी (दिनांक 23 से 29 नवम्बर 2025) के लिए विकसित की जा रही टेंट सिटी का भूमि पूजन डिफेन्स एक्सपो ग्राउंड, वृन्दावन योजना, सेक्टर–15, लखनऊ में 29 सितम्बर 2025 सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना उपस्थित रहे। इस अवसर पर संदीप सिंह, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), बेसिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश, गुलाब देवी, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), डॉ. महेन्द्र सिंह, अध्यक्ष, भारत स्काउट और गाइड, उत्तर प्रदेश एवं पूर्व जलशक्ति मंत्री, तथा डॉ. प्रभात कुमार, आई.ए.एस. (से.नि.), प्रादेशिक मुख्यायुक्त, भारत स्काउट और गाइड, उत्तर प्रदेश, पार्थ सारथी सेन शर्मा, प्रमुख सचिव, माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा उ.प्र., डॉ राजेश मिश्रा प्रादेशिक आयुक्त (स्काउट) ललिता प्रदीप प्रादेशिक आयुक्त (गाइड) विशेष रूप से उपस्थित रहे।

गतिविधि दर्पण

अजमेर मण्डल

❖ ब्यावर जिले के राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के मसूदा एवं विजयनगर स्थानीय संघों का संयुक्त वार्षिक अधिवेशन समारोहपूर्वक सम्पन्न हुआ। भव्य आयोजन में 88 प्रधानाचार्य, प्रशिक्षित स्काउटर गाइडर एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लेकर अधिवेशन को सफल बनाया। मुख्य अतिथि जवाजा प्रधान गणपत सिंह रावत एवं रायपुर प्रधान कमला रावत रहे,

जबकि अध्यक्षता पूर्व सभापति नरेश कन्नौजिया ने की। विशिष्ट अतिथियों में सहायक राज्य आयुक्त विमल चौहान, सीबीईओ मसूदा लोकेश चन्द्र नागला, डॉ. नरेन्द्र पारख, सी. ओ. स्काउट नरेन्द्र खोरवाल, महिपाल सिंह एवं ताराचंद जांगिड़ शामिल थे। अधिवेशन की शुरुआत स्काउट–गाइड प्रार्थना व दीप प्रज्ज्वलन से हुई। मुख्य अतिथियों ने संगठन की समाज निर्माण में भूमिका की सराहना की। विमल चौहान ने कहा कि "स्काउटिंग हमें विरासत में मिली है और हम आजीवन इसकी सेवा करते रहेंगे।" सी.ओ. स्काउट खोरवाल ने आगामी गतिविधियों की जानकारी दी तथा मोहन सिंह चौहान का साफा पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में स्काउटर गाइडर उपस्थित रहे और प्रशिक्षित सदस्यों का सम्मान भी किया गया।

भरतपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भरतपुर के रोवर्स रेंजर्स द्वारा जिला कलक्टर के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों को चतुर्थ किस्त की राशि का हस्तांतरण कार्यक्रम में सेवा कार्य किया गया। माननीय मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में मंच की समस्त व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी भरतपुर के रोवर्स रेंजर्स को दी गई। राजस्थान प्रदेश में पहली बार यह अवसर केवल जिला भरतपुर को ही प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम स्थल पर स्थानीय संघ सचिव नदबई श्री शिवसिंह एवं उनकी समस्त टीम के अथक प्रयासों से 259 स्काउट्स गाइड्स ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम में

शामिल होने वाले सभी लाभार्थियों एवं किसानों को 18,000 छाछ के पैकेट्स एवं 22,000 पानी की बोतल वितरित कर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया। सी.ओ. स्काउट देवेंद्र कुमार मीना के नेतृत्व में 40 सदस्यीय स्काउट गाइड व रोवर्स रेंजर्स के दल ने कार्यक्रम स्थल पर बस द्वारा उपस्थित होकर मंच की समस्त व्यवस्थाओं का निर्वहन किया। भरतपुर से सहायक लीडर ट्रेनर स्काउट मुरारीलाल शर्मा, द्वारिका प्रसाद शर्मा, स्काउटर पूरणचन्द, विनोद शर्मा भुसावर, स्थानीय संघ सचिव सत्यप्रकाश शर्मा, गाइडर श्रीमती गुड़िया देवी, श्रीमती अंजू कुमारी, कम्प्यूटर आपरेटर ललित गौतम एवं स्काउट गाइड एवं रोवर–रेंजर्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं समापन के पश्चात अतिरिक्त जिला कलक्टर भरतपुर श्री राहुल सैनी ने कहा है कि मध्यावधि अवकाश होने के बावजूद भी राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला भरतपुर के 309 स्काउट गाइड व रोवर्स रेंजर्स एवं स्काउटर गाइडर ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया। इसके लिए जिला प्रशासन भरतपुर की ओर से पूरी टीम की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

बीकानेर मण्डल

❖ बीकानेर, 2 अक्टूबर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर

पर सुबह गांधी पार्क में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में जिला कलक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि, श्रीमती सुमन छाजेड़, श्री सत्यप्रकाश आचार्य, जिला परिषद सीईओ श्री सोहनलाल, प्रशिक्षु आईएएस सुश्री महिमा कसाना व सुश्री स्वाति शर्मा, जिला उद्योग संघ अध्यक्ष श्री डी.पी. पचीसिया, श्री प्रकाश मेघवाल, श्री किशन चौधरी, श्री हरिकांत शर्मा समेत उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों, स्काउट गाइड रोवर्स व रेंजर्स और नागरिकों ने गांधी जी व शास्त्री जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कलक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि ने की। इस अवसर पर कलक्टर ने कहा कि गांधी जी के सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के संदेश आज भी हमारे लिए मार्गदर्शक हैं। वहीं शास्त्री जी की सादगी, ईमानदारी और "जय जवान–जय किसान" का नारा सदैव प्रेरणादायी रहेगा। इस अवसर पर स्काउट मास्टर बशीर अहमद के नेतृत्व में श्रीमती अमी नागर, स्काउट गाइड के प्रभुदयाल गहलोत व तेजस्वी पारीक ने गांधी जी के प्रिय भजनों व रामधुन की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर सिटी रमेश देव, नगर निगम उपायुक्त यशपाल आहूजा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एल.डी. पंवार, महिला एवं बाल विकास विभाग उपनिदेशक सुभाष बिश्नोई, समाज कल्याण विभाग के सहायक निदेशक अरविंद आचार्य, समाज कल्याण अधिकारी नंद किशोर राजपुरोहित, प्रशासनिक अधिकारी मुकेश भाटी व उमाशंकर, स्काउट गाइड के सहायक राज्य संगठन आयुक्त रामजस लिखाला, अति. प्रशासनिक अधिकारी सुदेश रांकावत, सहा. प्रशासनिक अधिकारी इनायत हुसैन व रामकुमार, सी.ओ. स्काउट जसवंतसिंह राजपुरोहित, गाइड सीओ मीनाक्षी भाटी समेत बड़ी संख्या में स्काउट गाइड रोवर्स व रेंजर्स, विद्यार्थी, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

❖ झुंझुनू जिला प्रशासन के तत्वावधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर गांधी पार्क, झुंझुनू में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन समारोहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का संचालन समिति सदस्य एवं सी.ओ. स्काउट महेश कालावत के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने बताया कि सभा में प्रातः स्मरामि, सरस्वती वंदना, गुरु वंदना, रामधुन, नामधुन एवं व्यक्तिगत प्रार्थनाओं के साथ सर्वधर्म प्रार्थनाएं प्रस्तुत की गईं। हाजी फारुख खान ने इस्लामिक प्रार्थना, धीरज जैन ने जैन प्रार्थना तथा आत्माराम ने वैदिक प्रार्थना एवं श्रीराम स्तुति का पाठ किया। इसके पश्चात वैष्णव जन तो तेने कहिए, वी शैल ओवरकम और शांति पाठ का वाचन किया गया। इस अवसर पर जिला कलक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने युवाओं से गांधीजी और शास्त्रीजी के जीवन आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। वहीं विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि गांधीजी का स्वदेशी का सपना आज "आत्मनिर्भर भारत" के रूप में साकार हो रहा है। उन्होंने सभी से स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता ही सेवा है अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले नगर परिषद के स्वच्छता दूतों को जिला कलक्टर एवं विधायक द्वारा स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एस.एस. मोदी विद्या विहार के संगीत शिक्षक आत्माराम के निर्देशन में विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने गांधीजी के प्रिय भजनों की सुमधुर प्रस्तुति दी। यह आयोजन स्वच्छता सप्ताह और समाज कल्याण सप्ताह के तहत किया गया, जिसमें नगर परिषद, शिक्षा विभाग तथा राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड का उल्लेखनीय योगदान रहा। कार्यक्रम में पूर्व सांसद नरेंद्र खीचड़, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश यादव, उपखंड अधिकारी कौशल्या बिश्नोई, महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक विप्लव न्योला, नगर परिषद कमिश्नर दिलीप पूनिया, सूचना अधिकारी हिमांशु सिंह, शिक्षा अधिकारी राजेश मील, संतोष साहू, महेंद्र जाखड़, डॉ. पवन पूनिया सहित अनेक अधिकारी, समाजसेवी, स्काउट–गाइड अधिकारी, रोवर्स, रेंजर्स, छात्र छात्राएं एवं नागरिक उपस्थित रहे।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू पर जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार स्काउट अनुशंसा शिविर का आयोजन 10 से 12 अक्टूबर तक आयोजित किया गया। सी.ओ. स्काउट

महेश कालावत ने बताया कि शिविर में राज्य मुख्यालय द्वारा चुरू जिले के सहायक लीडर ट्रेनर एवं उपाचार्य रज्जाक खान को मुख्य परीक्षक लगाया गया। शिविर में जिले के 45 विद्यालयों से 240 स्काउट ने राज्य पुरस्कार अवार्ड की परीक्षा दी। शिविर निरीक्षण हेतु स्काउट गाइड जिला अध्यक्ष गंगाधर सिंह सुंडा ने शिविर का आकस्मिक विजिट कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा शिविर की व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इन स्काउट्स के उत्तीर्ण होने पर इन्हें 22 फरवरी 2026 को महामहिम राज्यपाल द्वारा हस्ताक्षरित्र राज्य पुरस्कार अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान रेलवे स्काउटर एवं वाणिज्यिक अधिकारी ओम प्रकाश आर्य ने स्काउट गाइड की महत्वता पर प्रकाश डाला। शिविर में जिला प्रशिक्षण आयुक्त चिरंजीलाल शर्मा, सहायक लेटर ट्रेनर रामदेव सिंह गढ़वाल, बुहाना सचिव प्रवीण कुमार, स्काउट मास्टर रौनक, कविराज, व्याख्याता महेश कुमार, राजकुमार सैनी, मुन्नालाल, कुलदीप, कपिल शर्मा, रणवीर सिंह आदि परीक्षकों द्वारा नियम प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झंडा गीत, चिन्ह, सैल्यूट, बायां हाथ मिलाना, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, ध्वज शिष्टाचार, सिग्नेलिंग, प्राथमिक चिकित्सा, अनुमान लगाना, मैपिंग, कंपास विभिन्न प्रकार के बैज, एंबुलेंस मेन, फॉरेस्टर, ग्रामीण कार्यकर्ता, सामुदायिक कार्यकर्ता, स्वच्छता प्रोत्साहन आदि की परीक्षा दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा ली गई।

❖ श्रीगंगानगर में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय की डॉ. भीमराव आंबेडकर राजकीय महाविद्यालय की रोवर रेंजर टीम ने ग्लोबल हैंड वाशिंग–डे के अवसर पर आंगनबाड़ी और घर–घर जाकर बच्चों को हाथ धोने की सही तकनीक सिखाई। इस वर्ष की थीम 'बी हैंडवाशिंग हीरो' के अनुसार, बच्चों को स्वच्छता का महत्व समझाते हुए बताया गया कि सही तरीके से हाथ धोने से बैक्टीरियल संक्रमण, डायरिया, निमोनिया और टाइफाइड जैसी बीमारियों से बचाव संभव है। रोवर नवीन और रेंजर मुस्कान शर्मा ने बच्चों को हाथ धोने की प्रक्रिया भी बताई। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट इंद्राज सुथार एवं सी.ओ. गाइड मोनिका यादव ने भी इस पहल की सराहना की।

जयपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के निर्देशानुसार जिला यूथ कमेटी के तत्वावधान में जिला स्तरीय एस.डी.जी. एंड वाई.एल.ए.सी. कार्यशाला 1 से 3 अक्टूबर तक उत्साहपूर्वक संपन्न हुई। सत्र के दौरान प्रतिभागियों को बी.एस.जी. इवेंट पर रजिस्ट्रेशन, एस.डी.जी. स्काउट. ओ.आर.जी. (वर्ल्ड स्काउटिंग) पर ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया एवं ऑफलाइन कार्यों को ऑनलाइन अपलोड करने की विधि बताई गई, ताकि प्रतिभागी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए पात्र बन सकें। राष्ट्रीय मुख्यालय के निर्देशन में चल रहे

प्रोजेक्ट "जलवायु परिवर्तन पर युवाओं के नेतृत्व में कार्रवाई" के अंतर्गत जलवायु परिवर्तन के कारण, प्रभाव, दुष्प्रभाव तथा मिनी कंपोस्ट निर्माण की विस्तृत जानकारी दी गई। सत्र में प्रतिभागियों को संयुक्त राष्ट्र के 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) जैसे गरीबी उन्मूलन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वच्छ जल, स्वच्छ ऊर्जा, जलवायु कार्रवाई, भूमि एवं जल संरक्षण आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यशाला में जानकारी प्रदान करने वालों में बसंत कुमार लाटा (सीओ स्काउट सीकर), देवी लाल जाट (सचिव सीकर), रामप्रसाद भास्कर (जिला यूथ कमेटी सचिव), इरशाद मुगल, सचिन शर्मा, पीतांबर लौरा एवं कल्पना मीणा शामिल रहे। इस अवसर पर रोवर लीडर नवीन भास्कर सहित रोवर–रेंजर नितेश तंवर, आदिल खान, नवीन, अरुण सबल, राजेश, अंकुर, प्रिया, मोनिका आदि स्काउट–गाइड उपस्थित रहे।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में राज्य व मंडल मुख्यालय के निर्देशानुसार जिला स्तरीय सामुदायिक विकास सेमिनार का आयोजन स्काउट गाइड जिला मुख्यालय बड़ा तालाब सीकर पर हुआ। सेमिनार दामोदर प्रसाद शर्मा सहायक राज्य संगठन आयुक्त स्काउट एवं मामराज शर्मा जिला कोषाध्यक्ष स्काउट गाइड सीकर के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई। बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर ने सामुदायिक विकास सेमिनार के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। मुख्य अतिथि दामोदर प्रसाद शर्मा ने सभी संभागियों से कहा कि सामुदायिक विकास

कार्यक्रम में सहभागिता कर और उत्कर्ष कार्य करते हुए समाज को लाभ पहुंचाए। विजेता रोवर रेंजर को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लक्ष्मी मजूमदार अवार्ड, प्रधानमंत्री शील्ड प्रतियोगिता, उपराष्ट्रपति अवार्ड, एसजी प्रोजेक्ट के संबंध में विस्तार से महेंद्र कुमार पारीक पूर्व सचिव स्थानीय संघ सीकर, देवीलाल जाट सचिव स्थानीय संघ सीकर, प्रेम बावड़िया डॉ. सुष्मिता, यूथ कमेटी के जिला सचिव रामप्रसाद भास्कर, रोवर लीडर जयंत कुमार, नवीन भास्कर, लखन कुमार बावरिया, सचिन शर्मा, सीनियर रेंजर कल्पना मीणा, विपिन कुमार शर्मा ने जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर जिला सीकर क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों महाविद्यालय एवं ओपन ग्रुप के स्काउट गाइड रोवर रेंजर स्काउट मास्टर गाइड कैप्टन, सीनियर रोवर मेट, रोवर लीडर उपस्थित रहे।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस मारू पार्क में मनाया गया। इस अवसर पर वृद्धजनों की सेवा का संकल्प लिया। बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर ने वृद्धजनों की सेवा की शपथ दिलाई। वृद्धजन दिवस पर विशेष जानकारियां प्रदान की गई। मारू पार्क में आने वाले वरिष्ठ जनों से संपर्क किया उनके बारे में जानकारी प्राप्त की और उनके जीवन के अनुभव जानकर लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर रामप्रसाद भास्कर, पितांबर लोरा, इरशाद मुगल, रोवर सचिन शर्मा, लखन बावरिया, आदिल, राजेश सिंह चौहान, राजेश अंकुर, कर्मवीर सिंह, मनीष कुमार, जितेंद्र वर्मा, कन्हैया लाल वर्मा, नवीन सेन, रेंजर कल्पना मीणा, पूनम कंवर, कोमल, सरिता, मोनिका कोक, प्रिया देवन्दा आदि अनेक स्काउट गाइड रोवर्स रेंजर्स उपस्थित रहे।

❖ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, खाटूश्यामजी द्वारा आयोजित पांच दिवसीय द्वितीय तृतीय टोली नायक प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह सोमवार को आयोजित हुआ। शिविर के पांचवें दिन का शुभारंभ स्काउट ध्वजारोहण, झंडा गायन व प्रार्थना के साथ हुआ, जिसकी अध्यक्षता स्थानीय संघ प्रधान जनार्दन शर्मा एडवोकेट ने की। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मूल सिंह शेखावत (अलोदा), विशिष्ट अतिथि श्रवणलाल रूलानिया व विनोद कुमार हलवाई उपस्थित रहे।

श्री शेखावत ने कहा कि खाटूश्यामजी में स्थानीय संघ का गठन सौभाग्य की बात है। सचिव विष्णु शर्मा ने बताया कि शिविर में 250 स्काउट व गाइड्स ने भाग लिया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया तथा स्काउट–गाइड्स को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन विष्णु शर्मा ने किया।

❖ अलवर में गांधी जयंती के उपलक्ष्य में जिला कलक्टर आरतिका शुक्ला, अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर बीना महावर, अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासनिक योगेश डागुर एवं जिला सचिव यूआईटी एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी के साथ स्काउट गाइड सदस्यों ने कार्यक्रम की अगुवानी की ओर स्काउट गाइड पैटर्न के साथ सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन

किया गया। इस अवसर पर स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने कार्यक्रम में अपनी सेवाएं प्रदान की।

❖ पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के तहत राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर पर व विभिन्न

स्थानीय संघ के अनेक स्थानों पर विश्व हाथ धुलाई दिवस का आयोजन कर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर सभी स्थानों पर हाथ धुलाई की महत्ता पर कार्यक्रम आयोजित हुए। इसी क्रम में स्काउट गाइड जिला मुख्यालय व बड़ा तालाब सीकर में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें भाषण, नाटक, गीत, कविता और मानव श्रृंखला बनाकर हाथ धुलाई की विधि का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। इस अवसर पर बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट ने सभी स्काउट गाइड रोवर रेंजर व इको क्लब सदस्यों को हाथ धुलाई की

शपथ दिलाई। इस मौके पर सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा, अभय सिंह शेखावत लीडर ट्रेनर, मोतीराम महिचा, पलसाना के सचिव पवन कुमार शर्मा, सीकर के पूर्व सचिव महेंद्र कुमार पारीक, सचिव देवीलाल जाट, अजीतगढ़ के सचिव राम अवतार शर्मा, सरस्वती कॉलेज के व्याख्याता डॉ श्याम सिंह, रोवर लीडर रामप्रसाद भास्कर, कल्पना मीणा, कुंदन कुलदीप, धर्मेंद्र कुलदीप, लखन बावरिया आदि मौजूद थे। 200 से अधिक स्काउट गाइड इको क्लब सदस्यों ने भाग लिया।

जोधपुर मण्डल

- राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही के सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा ने बताया कि जिला मुख्यालय परिसर में विधायक व मंत्री महोदय एवं सांसद महोदय के द्वारा की गई घोषणा से 45 लाख रुपये का निर्माण

कार्य लगभग पूर्ण हो गया है। श्री वर्मा ने माननीय सांसद महोदय सिरोही जालोर और माननीय मंत्री महोदय सिरोही शिवगंज का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इनके इस सहयोग के कारण शिविरों में आने वाले स्काउट गाइड को बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

- सिरोही में गांधीजी एवं शास्त्री जी जयंती समारोहपूर्वक गांधी पार्क में मनाई गई। इस अवसर पर सांसद सिरोही जालौर श्री लुम्बा रामजी चौधरी, जिला प्रमुख सिरोही श्री अर्जुन राम जी पुरोहित, जिला कलक्टर महोदया श्रीमती अल्पा चौधरी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर श्री राजेश गोयल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रकाश चंद्र अग्रवाल, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्री महेंद्र कुमार नानीवाल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक श्री राजेंद्र कुमार पुरोहित, सी.ओ. स्काउट सिरोही एम.आर. वर्मा, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी श्री गणपत सिंह देवड़ा एवं अन्य विभागों के जिला स्तरीय

अधिकारीगण और स्काउट गाइड रोवर रेंजर एवं अन्य छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे। समारोह का संचालन श्री राजेश कुमार अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं एम.आर. वर्मा सी. ओ. स्काउट सिरोही ने किया। इस अवसर पर जिले की तीन रेंजर्स को अतिथियों ने राज्य पुरस्कार अवार्ड के प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया। स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सिरोही द्वारा प्रार्थना सभा में बेदी एवं अन्य व्यवस्थाएं की गई। सभी प्रशासनिक व अन्य अधिकारियों ने भारत स्काउट गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा की गई व्यवस्थाओं की प्रशंसा की।

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, शिवगंज जिला सिरोही का वार्षिक अधिवेशन मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी व प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर स्काउट जब्बरसिंह राव की अध्यक्षता में संघवी बाबूलाल अचलाजी जैन (तखतगढ़ वाला) राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दादावाड़ी शिवगंज में आयोजित किया गया। स्काउट सचिव डॉ. रमेशचन्द्र आगलेचा ने बताया कि अधिवेशन में प्रधानाचार्य भीमाराम मीणा राउमावि बागसीन, शशि चौरड़िया पोसालिया, शंकरलाल रमेशा पुराना जोगापुरा,

मंगलाराम प्रधानाचार्य दादावाड़ी, कमलकांत मीणा उप प्राचार्य केसरपुरा, राजेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी उप प्राचार्य पालड़ी एम, बलवंतसिंह राठौड़ उप प्राचार्य दादावाड़ी व वरिष्ठ अध्यापक जेपाराम डांगी ने स्काउटिंग गतिविधियों के सफल संचालन की उपयोगी जानकारी दी। पंजीयन कार्य व कोटामनी राशि संग्रहण का कार्य झालाराम गर्ग प्रधानाध्यापक राउप्रावि देवली व दिनेशकुमार गर्ग ने किया। प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर स्काउट व मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जब्बरसिंह राव ने अधिवेशन में स्काउटर गाइडर को अपने विद्यालय में प्रभावी ढंग से स्काउटिंग गतिविधि संचालन पर बल देते हुए अपने छात्र जीवन के स्काउटिंग के अनुभवों को साझा किया। स्थानीय विद्यालय के व्याख्याता कार्तिक गौतम व अध्यापक जोराराम गहलोत का व्यवस्था में सहयोग रहा। दादावाड़ी विद्यालय के स्काउट्स ने जलपान व्यवस्था व बैठक व्यवस्था में सेवा कार्य किया। अधिवेशन में दीपावली अवकाश के बाद द्वितीय, तृतीय सोपान स्काउट गाइड प्रशिक्षण व जांच शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, फलोदी के तत्वावधान में 7 से 10 अक्टूबर 2025 तक श्री हरियाणा हिसार धर्मशाला जांबा में राज्य पुरस्कार स्काउट जांच शिविर का आयोजन हुआ। शिविर संचालक व मुख्य परीक्षक के रूप में पधारे श्री रामेश्वर लाल, जोधपुर ने बताया कि इस शिविर में फलोदी जिले के विभिन्न राजकीय व निजी विद्यालयों के 81 स्काउट ने राज्यपाल स्काउट अवार्ड की परीक्षा दी। शिविर में स्काउटिंग के प्रवेश से लेकर राज्यपाल अवार्ड तक के विभिन्न विषयों की नियमानुसार विभिन्न परीक्षकों के द्वारा परीक्षा ली गई। इसमें लिखित, मौखिक, प्रायोगिक परीक्षाएं शामिल थी। इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले सभी स्काउट परीक्षार्थियों को राज्यपाल महोदय राज्यपाल अवार्ड प्रदान करेंगे। शिविर के दौरान श्री पूर्णराम देव जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा फलोदी व श्री हिंगलाज दान चारण मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बाप ने शिविर का औचक निरीक्षण किया व सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। शिविर में स्टाफ के रूप में पवन कुमार पंडेर, भागीरथ गोदारा, लक्ष्मण राम, शैतान सिंह राजपुरोहित, बाबूलाल भाकर, प्रवीण कुमार बिश्नोई, सोमराज, रोहिताश, हुकम सिंह, जीवन राम जोहर, भाखर राम जोहर व संदीप सिंह ने भाग लिया और दक्ष परीक्षक के रूप में अपनी भूमिका निभाई।

शिविर में विद्यार्थियों को करवाए रचनात्मक कार्य, संस्कार की पाठशाला स्काउट-गाइड

सरनाऊ ब्लॉक के केरवी में भारत स्काउट-गाइड शिविर आयोजित

कोटा मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला बारां के तत्वावधान में कोटा मंडल के सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप कुमार माथुर के निर्देशन में आयोजित निपुण रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर में चलाए जा रहे स्वच्छता कार्यक्रम के तृतीय दिवस जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा सीताराम गोयल के मुख्य आतिथ्य में पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदूषण को रोकने के

लिए एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा ने सभी प्रकार के प्रदूषण की जानकारी रोवर रेंजर को देते हुए संकल्प दिलाया कि प्रदूषण रोकने के लिए अपने–अपने गांव में जाकर वहां के लोगों को प्रदूषण से होने वाले नुकसान की जानकारी देते हुए रोकने का संकल्प भाव से कार्य करेंगे। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक सीताराम गोयल ने सभी रोवर रेंजर को बताया कि पूरे विश्व में स्काउट गाइड संगठन ही एक ऐसा संगठन है जिसके माध्यम से संस्कार सीखते हुए देश सेवा एवं समाज सेवा के लिए एक युवा एवं युवती तैयार होते हैं। समारोह में जिला हैडक्वार्टर कमिश्नर भैरव लाल वर्मा ने सभी को पौधे लगाने से प्रदूषण मुक्ती के संदर्भ में कविता सुना कर पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। समारोह उपरांत शिविर संचालक महेश सेन एवं कमलेश मीणा के नेतृत्व में स्काउट गाइड मुख्यालय से चार मूर्ति चौराहे तक प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए एक रैली निकाली गई। रैली को जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक सीताराम गोयल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में हेमराज बेरवा, मोहित मीणा, शंभू दयाल अग्रवाल, लक्ष्य गोयल आदि ने सहयोग प्रदान किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बारां के तत्वावधान में आयोजित अनुसूचित जाति जनजाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर के तृतीय दिवस प्रातः कालीन सत्र में झंडारोहण के उपरांत सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन हेतु एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि सीताराम गोयल जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक ने सभी को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने का संकल्प दिलाते हुए आवाहन किया कि सभी को सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग नहीं करने के लिए प्रेरित करें। संगोष्ठी में सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा ने सभी स्काउट गाइड को पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की जानकारी दी। सी.ओ. गाइड सुनीता मीणा ने प्रकृति को संरक्षित करने के लिए बहुत ही सहज एवं प्रेरणास्प्रद उद्बोधन से प्रकृति का महत्व समझाया। संगोष्ठी उपरांत शिविर संचालक महेश सेन एवं शिविर प्रभारी कमलेश मीणा के नेतृत्व में सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन विषय पर एक रैली का आयोजन किया गया जिसको मुख्य अतिथि सीताराम गोयल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर समाजसेवी शंभू दयाल अग्रवाल एवं अन्य आमजन ने भी रैली का हिस्सा बन आमजन को प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में निर्मला सिंह, भेरूलाल भास्कर, लक्ष्य गोयल, नरेंद्र कुमार आदि ने सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनाया। अंत में महेश सेन एवं कमलेश मीणा ने सभी को कार्यक्रम की सफलता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

उदयपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, उदयपुर का तृतीय जिला परिषद वार्षिक अधिवेशन 15 अक्टूबर को सूरजपोल स्थित स्काउट गाइड मण्डल मुख्यालय के विवेकानंद सभागार

में दीप प्रज्वलन व ईश प्रार्थना के साथ सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश बंसल (सहायक निदेशक एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, उदयपुर) थे। विशिष्ट अतिथियों में हीरालाल व्यास, मनमोहन स्वर्णकार, डॉ. दीपक शर्मा एवं डॉ. शौभालाल औदिच्य उपस्थित रहे। सी.ओ. स्काउट सुरेन्द्र कुमार पाण्डे ने बताया कि अधिवेशन में गत कार्यवृत्त, प्रतिवेदन, वार्षिक योजना, बजट, प्रगति, रैली, राष्ट्रीय जम्बूरी व आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। डॉ. बंसल ने विद्यालयों में स्काउटिंग–गाइडिंग को अनिवार्य रूप से संचालित करने व प्रशिक्षित लीडर्स की आवश्यकता पर बल दिया। हीरालाल

व्यास ने आपसी समन्वय से संगठन की प्रगति का आह्वान किया। डॉ. औदिच्य ने स्वस्थ जीवन के सुझाव, डॉ. दीपक शर्मा ने नवाचार और अनुशासन के महत्व पर विचार रखे। अभिलाषा मिश्रा ने गाइड गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर स्थानीय संघ सचिवों व ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। राधेश्याम मेनारिया को 20 वर्षों की सेवाओं पर दीर्घकालीन सेवा पुरस्कार तथा श्याम किशोर उपाध्याय को हिमालय वुडबैज कोर्स पूर्ण करने पर सम्मानित किया गया। प्रमोद सुथार व पवन रावल को पदोन्नति पर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का समापन मनमोहन स्वर्णकार के आभार व राष्ट्रगान के साथ हुआ।

❖ उदयपुर में 2 अक्टूबर गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती का कार्यक्रम गुलाब स्थित गांधी मूर्ति पर प्रशासन द्वारा आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि दीपेंद्र सिंह राठौड़ एडीएम, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी लक्ष्मण जी सालवी ने गांधीजी एवं शास्त्री जी की फोटो पर माला अर्पण व पुष्प चढ़ा

कर, दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। भारत स्काउट गाइड, मंडल मुख्यालय, उदयपुर के स्काउट गाइड एवं रोवर रेंजर ने भाग लिया। सी.ओ. स्काउट सुरेंद्र कुमार पांडे, सी.ओ. गाइड अभिलाषा मिश्रा के नेतृत्व में विभिन्न स्कूलों के स्काउट मास्टर हेमंत थापा, उमेश चंद्र पुरोहित, दिव्यांश बृजवानी, गौरव जोशी, गाइडर शिप्रा चतुर्वेदी, उषा शर्मा, वनिता जैन, हेमलता माथुर, मधुरखा शर्मा सम्मिलित हुए। सर्वधर्म प्रार्थना सभा में अखिलेश शर्मा ने तबले पर, हारमोनियम पर प्रेम शंकर ने गांधी जी के प्रिय वैष्णव जन भजन और रघुपति राघव गाकर संगीत मय श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही सबने मिलकर शपथ ग्रहण की कि अपने आसपास एवं समाज में अहिंसा का प्रचार प्रसार करेंगे एवं स्वच्छता का ध्यान रख अपने परिजनों एवं अपने आसपास सभी को स्वच्छता के लिए जागरूक करेंगे स्वयं भी स्वच्छता के नियम का पालन करेंगे।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द के परिसर में 5 दिवसीय जिला स्तरीय अनुसुचित जाति व जनजाति स्काउट गाइड का तृतीय सोपान शिविर प्रारंभ हुआ। सी.ओ. स्काउट सुनिल कुमार सोनी ने बताया कि जिले के अनुसुचित जाति व जनजाति के बालक–बालिकाओं का 5 दिवसीय शिविर 4 से 8 अक्टूबर तक आयोजित किया गया। इस शिविर में बालक–बालिकाओं को स्काउट गाइड युनिफार्म एवं निःशुल्क भोजन एवं नाश्ते की व्यवस्था उपलब्ध करवाई गई है। शिविर में स्काउट गाइड ने बड़ी तन्मयता से प्रथम सोपान से लेकर तृतीय सोपान तक का ज्ञानार्जन किया। स्थानीय संघ सचिव राजसमन्द धर्मेन्द्र गुर्जर अनोखा ने बताया कि शिविर में विभिन्न प्रकार की गांठे, जिसमें डॉक्टरी गांठ, पाल गांठ, खुंटा गांठ, लघुकर फांस, ध्रुव गांठ, मछुआरा गांठ, लट्ठा गांठ, रोलिंग हीच, सिअर लेसिंग आदि के साथ प्राथमिक चिकित्सा, कम्पास, नक्शा पढ़ना, खोज के चिन्ह, अनुमान लगाना, ध्वज शिष्टाचार, स्काउटिंग आंदोलन की जानकारी, जीवन जीने की कला, बी.पी. सिक्स व्यायाम, नियम–प्रतिज्ञा, राष्ट्रगान, विभिन्न ध्वजों की जानकारी एवं

टेन्ट लगाने का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एमडी, बडगुल्ला, राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय देवगढ़, कुण्डिया, खटामला, बालिका रेलमगरा, बालिका स्कूल कांकरोली, समीचा, विजयपुरा, आईडाणा, राजनगर, कुंचौली, मोही, उच्च प्राथमिक विद्यालय भोलीखेडा आदि विद्यालयों के स्काउट गाइड सम्मिलित हुए। सी.ओ. स्काउट सोनी ने बताया कि संचालक दल मण्डल में सुरेश चन्द्र खटीक, रोशन लाल रेगर, केसर सालवी, यशवन्त कुमार नंगारची, पार्वती माली, मुदिता पानेरी, गेहरीलाल रेगर, शारदा खटीक, कैलाश चन्द्र रेगर, माधव लाल जटिया, श्याम सुन्दर आदि ने अपनी सराहनीय सेवा प्रदान की। जिला प्रशिक्षण आयुक्त राकेश टांक ने बताया कि इस शिविर का समापन प्रार्थना सभा के साथ 8 अक्टूबर को आयोजित हुआ।

❖ राजसमन्द स्थित सेन्ट पॉल सीनियर सैकेण्डरी स्कुल, राजसमन्द के प्रांगण में भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय राजसमन्द एवं स्थानीय संघ मुख्यालय राजसमन्द के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सी.ओ. स्काउट सुनील कुमार सोनी ने बताया कि सोमवार को सेन्ट पॉल सीनियर सेकेण्डरी स्कुल राजसमन्द के

प्राचार्य जॉनी मैथ्यु की अध्यक्षता में व परबतसर नागौर के लीडर ट्रेनर सुभाष पारीक के मुख्य आतिथ्य व स्थानीय संघ सचिव मुख्यालय राजसमन्द धर्मेन्द्र गुर्जर अनोखा व स्थानीय संघ सचिव देवगढ रामसिंह चौहान के विशिष्ट आतिथ्य में एक दिवसीय स्काउट गाइड कार्यशाला का आयोजन सानन्द सम्पन्न हुआ। अतिथि महानुभावों को अतिथि देवोः भवः परम्परा का निर्वहन करते हुए संस्था के प्राचार्य जॉनी मैथ्यु एवं शारीरिक शिक्षक राजेश पालीवाल व स्काउटर आशिफ मोहम्मद ने प्रसादी ईकलाई से भावभिना स्वागत अभिनंदन किया। सी.ओ. स्काउट ने बताया कि कार्यशाला में स्काउट गाइड को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य जॉनी मैथ्यु ने कहा कि स्काउटिंग गाइडिंग व्यक्तित्व विकास का जरिया है। मुख्य आतिथ्य पद से सम्बोधित करते हुए सुभाष पारीक ने कहा कि स्काउट गाइड आन्दोलन से देश का सुयोग्य नागरिक बनता है। स्थानीय संघ सचिव राजसमन्द धर्मेन्द्र गुर्जर अनोखा ने बताया कि इस कार्यशाला में सी.ओ. स्काउट राजसमन्द ने साहसिक गतिविधियों के माध्यम से स्काउट गाइड बालक–बालिकाओं को मुख्य धारा में जोड़ा। साथ ही रामसिंह चौहान ने आग लगी है पानी लाओ, चोर–सिपाही जैसे खेल खिलाकर बच्चों को आनन्दित कर दिया। सुभाष पारीक ने गीत के माध्यम से स्काउटिंग का माहौल बनाया और खेल के माध्यम से शारीरिक व्यायाम पर प्रकाश डाला। स्काउट गाइड ने प्राचार्य व अन्य अतिथियों का गॉर्ड ऑफ ऑनर के माध्यम से भावभिना स्वागत किया। कार्यशाला में प्रधानमंत्री शील्ड की संक्षिप्त जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि पर्यावरण संरक्षण एवं नशा उन्मुलन विषयों पर कार्य करते हुए निर्धारित लोगबुक तैयार कर विद्यालयों के माध्यम से जिला एवं राज्य स्तर पर भिजवायें ताकि पीएम शील्ड में सहभागिता करने वाले सभी संभागियों एवं विद्यालयों को माननीय प्रधानमंत्री महोदय द्वारा शील्ड व अवार्ड प्रमाण पत्र द्वारा सम्मानित किया जाए। सेन्ट पॉल स्कूल के पी.टी.आई. राजेश पालीवाल, स्काउटर आशिफ मोहम्मद, अध्यापक सूर्या हरि, जस्टीन वर्गीस, विक्रम सिंह, आबिद व अन्नु राठौड़ ने इस कार्यशाला में सराहनीय सहयोग प्रदान किया।

❖ राजसमन्द में 14 अक्टूबर 2025 को ई–वेस्ट दिवस मनाया गया। राजसमन्द क्षेत्रीय अधिकारी राजस्थान राज्य प्रदुषण नियंत्रण मण्डल अशोक कुमार जेलिया ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय ई–वेस्ट दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से बालक–बालिकाओं के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें कॉलेज के बालक–बालिकाओं ने बढ–चढ कर भाग लिया। क्षेत्रीय अधिकारी ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय ई–वेस्ट दिवस के कार्यक्रम की अध्यक्षता पुरूषोतम दास वैरागी, सहायक पर्यावरण अभियन्ता राजस्थान राज्य प्रदुषण नियंत्रण मण्डल राजसमन्द ने की। मुख्य अतिथि के रूप में स्काउट विभाग के स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर अनोखा थे। सहायक पर्यावरण अभियन्ता पुरूषोत्तम दास वैरागी ने बताया कि

अन्तर्राष्ट्रीय ई–वेस्ट दिवस स्काउट जिला मुख्यालय राजसमन्द के प्रागंण में मनाया गया, जिसमें कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने प्रदुषण नियंत्रण के उपायों के बारे में जानकारी हासिल की, अतिथियों ने बालक–बालिकाओं को आग्रह किया कि वे इसके बारे में जन–जन तक जागरूकता फैलाने का कार्य करें। वर्तमान समय में ई–वेस्ट अत्यधिक मात्रा में हो रहा है, जिसे रिसाईक्लिंग व पुनः उपयोग कर ई–वेस्ट को कम किया जा सकता है। क्विज प्रतियोगिता में मुकुल मीणा ने प्रथम स्थान, हीरालाल रेगर ने द्वितीय स्थान व भेरूलाल गुर्जर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को अतिथि महानुभावों के हाथों पारितोषिक से नवाजा गया। साथ ही पर्यावरण नियंत्रण करने के उद्देश्य से प्रत्येक बालक बालिकाओं को सांत्वना पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम में चेतन बैरवा, आमीन खान, महेन्द्र कुमार सालवी, कमलेश मेवाडा, प्रकाश मोची, दीपक कुमार गुर्जर, अर्जुन लाल सुथार, विशाल बराण्डा, दिलखुश गमेती, माधव पालीवाल, हीरालाल रेगर आदि ने सराहनीय सहयोग प्रदान किया। आभार व्यक्त स्थानीय संघ सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर अनोखा ने किया।

मेसेंजर ऑफ पीस स्टार अवार्ड

समारोह के मुख्य अतिथि श्री पी.जी.आर. सिंधिया सेक्ट्री जनरल भारत स्काउट गाइड, श्री मधुसूदन अल्वा अतिरिक्त अंतराष्ट्रीय कमिश्नर व आलेंद्र शर्मा सहायक निदेशक ने मेसेंजर ऑफ पीस स्टार अवार्ड 2023 से सम्मानित किया।

धनराज सैनी ने इससे पूर्व 2024 में 5289 मीटर ऊँचे फ्रेंडशिप पीक अभियान पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की और राष्ट्रीय ध्वज लहरा कर सीकर का मान बढ़ाया था।

संयुक्त राष्ट्र के 17 सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) को पुरा करने मे भारत स्काउट गाइड कार्य कर रहा है जिसमें राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा एसडीजी गोल पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्यों का चयन किया गया जिन्हे राष्ट्रीय स्तर पर स्वराज मैदान मुदबिदे, मैग्लूरु, कर्नाटका मे आयोजित समारोह में पुरस्कृत किया गया। प्रदेश संगठन के सी.ओ. स्काउट भाविक सुथार एवं सीकर के निवासी धनराज सैनी जो कि राष्ट्रीय साहसिक संस्थान पचमढ़ी में कार्यालय सचिव सह कनिष्ठ प्रशिक्षक के पद पर कार्यरत हैं, को इस पुरस्कार से नवाजा गया।

CELEBRATIONS DAYS : NOVEMBER-DECEMBER 2025

07 November	:	Scout/Guide Flag Day
07 November	:	World Cancer Awareness Day
13 November	:	World Kindness Day
14 November	:	National Children Day
26 November	:	Constitution Day
30 November	:	Flag Day
01 December	:	World AIDS Day
10 December	:	Human Rights Day
15 December	:	Sardar Patel Jayanti
16 December	:	Vijay Diwas
20 December	:	International Human Solidarity Day
24 December	:	National Consumer Day
27 December	:	Guru Gobind Singh Jayanti

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

पर्यावरण संरक्षण

मैं हूँ पानी, मुझे बचाओ!

प्रस्तोता - रामनिवास शर्मा

पृथ्वी आज से करीब 4500 करोड़ वर्ष पूर्व वर्तमान स्वरूप में आई। मैं भी तीन–चौथाई भाग पर राज करने लगा। मैं तुम्हें जीवित रखना चाहता हूँ। मैं सदैव तुम्हारा जीवन साथी रहा हूँ। मैं धरा पर सतही रूप में नदी व जलाशय हूँ। पर्वतों पर ग्लैशियर हूँ। भूमिगत शैलछिद्र व नभ में पयोद बनकर वर्षा करता हूँ। मैं कभी बर्फ तो कभी पानी व कभी भाप बनकर विचरण करता हूँ। मेरे अनेक रूप हैं। मैं सर्वव्यापी हूँ। स्वाति एक, गुण तीन– कदली, सीप, भुजंग। बिन्दु से सिन्धु व सिन्धु से बिन्दु बनता हूँ। लधिमा व गरिमा की सिद्धी जो प्राप्त है। धरती पर फसल के रूप में अन्नपूर्णा भी मैं ही हूँ। हर पल आपके लिए जीवित रहना चाहता हूँ। हाँ मेरा स्वभाव थोड़ा अक्खड़ जरूर है। मैं अपनी मर्जी से ही चलता हूँ। आपको विदित होगा श्रीराम तक को राह नहीं दी थी। पहला एक कोशिकीय जीव भी मेरे में ही पैदा हुआ। मेरे एक–एक कतरे में लाखों जीवों की जीवन लीला है। मैं माँ के ममत्व, वात्सल्य तथा पिता के पौरूष भाव के कारण अर्ध नारीश्वर हूँ। शिवस्वरूपा हूँ। दुनियाँ में जहाँ जीव हो और मैं न रहूँ ऐसा हो ही नहीं सकता। शिव का अभिषेक भी मेरे बिना पूर्ण नहीं माना जाता। चाहे दूध हो या मानव शरीर अधिकांश मात्रा में मैं ही हूँ। आखिर विश्व का सबसे अच्छा विलायक जो ठहरा। जब कोई जलता है, सूखता है तो मेरा दिल जलता है। मैं किसी को जलते देख नहीं सकता। इसलिए ही ''जल'' कहलाता हूँ। मैं लोगों के मल को धोकर निर्मल बनाता हूँ। दूसरों के दुःख को अपने में विलीन कर लेता हूँ। लेकिन आज अंधाधुंध दोहन व प्रदूषण के कारण मैं मलिन हो गया हूँ। अन्दर ही अन्दर जल रहा हूँ। आर्तभाव से पुकार रहा हूँ ''मुझे बचालो''। कोई तो प्रेम से गले लगाओ। आस्तीन के साँप न बनो। इतने निर्दयी न बनो। मैं पानी का कतरा ही सही पर मेरा भी कोई अस्तित्व तो है। हो सकता है कोई प्यासा मेरा इन्तजार कर रहा हो।

आज तक किसी की वृति का बखान किसी दूसरे ने ही किया है। पर आज मैं अपनी वृति व प्रवृत्ति का बखान स्वयं कर रहा हूँ। मुझे संरक्षण की आवश्यकता है। मैं जलजलाकार हूँ फिर भी जल रहा हूँ। जैसा कि आप जानते हैं मैं मुख्यतः भूमिगत जल, सतही जल व महासागरीय रूप में मिलता हूँ। भूमिगत जल दरारों व शैलछिद्रों के रूप में कुल जल संसाधन का 0.58 प्रतिशत हूँ। मेरे इस देश में 80 प्रतिशत घरों में जलापूर्ति इसी रूप से करता हूँ। झील, जलाशय मेरे सतही स्वरूप हैं। इनसे मैं स्वच्छ पेय से 22 प्रतिशत लोगों के हलक ही तर कर पाता हूँ। धरती पर कुल जल का 97.97 प्रतिशत महासागरों में बसता हूँ। लेकिन अथाह रूप व लवणों के कारण खारा बन गया हूँ। घमण्डी जो बन गया हूँ। मिठास समाप्त हो गई है। पीने योग्य नहीं हूँ। 70 प्रतिशत स्वच्छ पेय ग्लैशियरों से देता हूँ। अफसोस, वे भी ग्लोबल वार्मिंग के शिकार हो रहे हैं। मुझे पिघलने को मजबूर कर रहे हैं। तथाकथित विकासवादी 21वीं शताब्दी के अन्त तक हिमालय के आधे ग्लैशियरों को सुखाकर ही दम लेंगे। मेरे ग्लैशियरों से 3 सौ 3 मिलियन क्यूबिक फीट पानी एशियाई नदियों में पहुंच जाता है। नदियों के कल–कल झरनों के छल–छल सारेगामापा बन कर लोरी सुनाते हैं। आप सोच रहे होंगे कि मेरी स्वच्छता व शुद्धता की पहचान क्या है? वास्तव में गंदलापन मुझे पसन्द नहीं। जितनी अधिक प्रकाश किरणें मेरे आर–पार निकल जाए उतना ही अधिक स्वच्छ हूँ। पारदर्शिता मेरा मूल स्वभाव जो है। मेरी भेदभाव ना करने की आदत जो है। जलाशयों में हाइड्रोजन आयन की मात्रा जलजीव व वनस्पति का जीव आधार है। आज हाइड्रोजन आयन बढ़ जाने के कारण 1 हजार 6 सौ जलीय प्रजातियाँ काल के गाल में समा चुकी है। मेरी उदासीन स्थिति में पीएच का मान 7 है। जब मैं शुद्ध हूँ मेरे वक्ष स्थल पर ''यूलोथ्रिक्स'' प्रजाति के शैवाल तैरते हैं। जब मैं दूषित हो जाता हूँ तो मेरी प्रवृति भी बदल जाती है। अब क्लोरेला शैवाल के तैरने की बारी होती है।

मेरे अंधाधुंध उपभोग से विश्व में 1.10 अरब लोग साफ पानी पीने को तरस रहे हैं। 80 फीसदी लोग स्वच्छ पेयजल के अभाव में बीमारियों से जूझ रहे हैं। भारत में साढे 4 करोड़ आदमी बेहद प्रदूषित जल पीने को मजबूर हैं। 2 लाख से अधिक छात्र–छात्राओं को पीने योग्य पानी नसीब नहीं हो रहा है।

राजस्थान की स्थिति तो और भी भयावह हो चली है। देश की आबादी का दसवाँ भाग यहाँ बसता है। राजस्थान का जल संसाधन एक प्रतिशत ही है। प्रदेश के कुल 2 सौ 37 जोन में से 2 सौ 5 ब्लॉक डार्क जोन में है। इसका एक मात्र कारण मेरा अत्यधिक दोहन व प्रदूषित होना है। मेरे प्रदूषित होने के चलते ''पानी बिच मीन प्यासी'' रह जायेगी। पेयजल संकट चुनौती दे रहा है। पर अफसोस फिर भी हम दोनों हाथों से उलीच रहे हैं। प्रश्न यह है कि 1 सौ करोड़ जनता को स्वच्छ जल कहाँ से उपलब्ध हों ?

जब प्राकृतिक जल स्त्रोत प्रदूषण की चपेट में है। नदियाँ गन्दे पानी में बदलती रहेगी। वन अभाव से प्राकृतिक स्त्रोत सूखते चले जाएंगे। मुझे मेरा अतीत याद है पुरातन संस्कृति में मुझमें मलमूत्र विसर्जन की कल्पना तक न थी। मुझे तो वरूण देव मानते थे। मैं तो जीवन रक्षक घोल हूँ। नदियाँ मेरे कारण जीवनदायिनी है। कदाचित तभी तो संस्कृतियों ने मेरे इस रूप पर पनपकर विस्तार पाया।

''नाप्सु मूंत्र पुरीबं वा ष्टोवनं समुत्सृजेत
अमेध्या लिप्त मन्यद्वा लोहितं वा विषाणिवा।।

मनुस्मृति 4-56

अर्थात जल में मलमूत्र, रक्त इत्यादि विसर्जित ना करें। अथर्ववेद में तो हमारे शरीर में शुद्ध जल प्रवाहित होने की कामना भी की है। मेरे संरक्षण में मुस्लिम मज़हब भी पीछे ना रहा। उन्होंने मुझे दूषित करने वालों पर कड़ी सजा का ऐलान किया है। पर अफसोस आज दर्शन मात्र से मुक्ति देने वाली गंगा सौ–सौ कदम पर गंदे नालों से कलुषित हो रही है। मुर्दे भी नहाने वालों से टकराकर गंगा को गंगा बनी रहने को आगाह कर रहे है। मेरे ही मुझ पर घात लगाये बैठे हैं। तकनीकि संस्कृति की यह कैसी त्रासदी है? मानव टेक्नोलॉजी की प्रगति ने महज जलाशय व जल मार्गों को कूड़ेदान व गंदी बस्तियों में बदल डाला है। मुट्ठी भर लोगों की हठ धर्मिता व स्वार्थपन के कारण दर्द से आम आदमी कराह उठा है। अब भी मैं सावचेत कर रहा हूँ। शरारत से तौबा कर लो, शराफत से नाता जोड़ो। मैं तुम्हे 'जीवम् शरदः शतम्' का तौहफा दे सकता हूँ। अन्यथा तीसरा विश्वयुद्ध पानी के लिए ही होगा। कुछ लोगों ने मेरे संरक्षण के लिए समय–समय पर कदम बढाये हैं। वर्तमान शासन पद्धति में 7 सौ वर्ष से प्रदूषण नियम बने है। इंग्लैण्ड में 1388 ईस्वी से प्रदूषण नियमों का प्रचलन है। जिनमें मुझे प्रदूषित कर पीने योग्य ना छोड़ना, नदियों को गंदा करना अपराध की श्रेणी में माना जाता है। कौटिल्य अर्थशास्त्र में प्रजा को हिदायत दी है कि कुआं व बावड़ी पर सुरक्षा के लिए पहरा दो। शत्रु जल को विषाक्त न कर दें। जब कभी कुम्भ के मेले आदि होते हैं, लाखों लोगों के स्नान से बीमारियाँ महामारी का रूप ले लेती थी। मेरे छोटे–छोटे जलाशय नहाने पर सुकून देते हैं। निरोगी बनाते हैं। लेकिन लोहागर्ल जैसे तीर्थ स्थल पर एक साथ लाखों लोगों के स्नान करने पर भयभीत हो जाता हूँ। बीमारी न फैल जाये। मेरी संतान महामारी का शिकार न बन जाए। आज राइन राइन (शुद्ध) न रही। गंगा गंगा न रही। समझ में नहीं आता मेरे साथ व्याभिचार क्यों? आज विकासशील देशों में हरेक 3 में से 2 व्यक्तियों को उचित पेयजल नसीब नहीं होता।

आज जरूरत है मेरे प्रति स्वामित्व भावना जगाने की। दिनचर्या में एक–एक बूंद सहेजने की वृति के विकसित होने की। मैं, जीव और वन मिलकर ही तो जीवन बनते हैं। जीवन के लिए पेय की सुनिश्चितता करने के लिए मेरी उपलब्धता, वर्षा की मात्रा व पानी के रिचार्ज पर मेरा संरक्षण निर्भर है। कच्छ क्षेत्र का 'धोला बीरा' व पुणे का 'नाने घाट' मेरे संरक्षण के आदर्श रूप हैं। पालर कुंआ, बावड़ी व जोहड़ संस्कृति को अपनाना होगा। **'कुण चिणाया कुआ बावड़ी जी'** जैसे लोकगीत गुनगुनाने होंगे। समय रहते सावचेत नहीं हुए तो जल प्रबन्धन जल माफियाओं के कब्जे में होगा। तब शुद्ध जल की कीमत क्या होगी, ईश्वर ही जान सकता है।

स्वच्छ जल की यही पुकार,
सुन लो अब ध्यान लगाय।
आजीवन मानव पर किये उपकार,
कर संरक्षण मुझको लो बचाय।।

मैं आह्वान करता हूँ किसान भाइयों को, विद्यार्थियों को, आमजन को तथा सरकार को मेरे संरक्षण के महायज्ञ में आहूति अर्पित करने के लिए। अब भी चूके तो आने वाली पीढियाँ कभी माफ नहीं करेंगी। मुझे प्यासे की प्यास बुझाने दो। मैं तुम्हें मेरे संरक्षण के कुछ सूत्र बता रहा हूँ। इनका दैनिक जीवन में पालन कर मुझे बचाओ :–

- वर्षा की एक–एक बूंद सहेजने का कार्य किया जाए।
- वर्षा जल संरक्षण की अनिवार्यता के बिना भवन निर्माण की अनुमति न दी जाए।
- खेतों में गिरे पत्ते गाड़ देने से उर्वरा शक्ति के साथ–साथ नमी भी बनी रहेगी।
- घर के नलों का रिसाव न होने दें। घर में पानी की खपत का एक तिहाई भाग बचाया जा सकता है।
- यथा संभव बगीचे में रसोईघर का पानी प्रयोग में लें।
- घर के बाहर पॉलीथिन बेग न फैंके।
- जल स्त्रोतों को प्रदूषण से बचायें।
- खेतों में नमी बनाये रखने के लिए कैक्टस व ग्वारपाठे की खेती की जाए।
- हल चलाकर वाष्पीकरण को नियंत्रित करें।
- खेतों की सिंचाई में स्प्रिंकलर या बूंद–बूंद पद्धति का प्रयोग करें।
- क्षरित मिट्टी को जलाशय में न जाने दें।
- सिंचाई जल के अंधाधुंध प्रयोग व त्रुटिपूर्ण जल प्रबन्धन से बचें।
- परम्परागत जल स्त्रोत, जोहड़, पालर कुंआ व कुण्डों को प्रोत्साहन दिया जाए।
- लम्बे समय तक न तो खेतों को खाली छोड़े व न ही पानी भरा रहने दें।
- सतही पानी बहाव नियंत्रित करने के लिए व नमी बनाये रखने के लिए कम्पोस्ट खाद का प्रयोग करें।
- श्रेष्ठ जल संरक्षण कार्य करने वाली संस्था/व्यक्ति को पुरस्कार दिये जावें।
- मंजन करते समय नल खुला न छोड़े।
- एक से अधिक राज्यों को सीमा पर से बहने वाली नदियों में जल की समुचित वितरण नीति बनाई जावें।
- प्रदेश में 73वें संशोधन की मूल भावना के अनुरूप जल संरक्षण कार्य किये जाए।
- जल संरक्षण जागरूकता अभियान चलाकर सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

लक्ष्मणगढ़ (सीकर)

पर्यटन स्थल

विश्व धरोहर रणथंभोर दूर्ग

रणथंभोर दुर्ग दिल्ली–मुंबई रेल मार्ग के सवाई माधोपुर रेल्वे स्टेशन से 13 कि. मी. दूर रन और थंभ नाम की पहाडियों के बीच समुद्रतल से 481 मीटर ऊंचाई पर 12 कि.मी. की परिधि में बना है। दुर्ग के तीनो और पहाड़ों में प्रातिक खाई बनी है जो इस किले की सुरक्षा को मजबूत कर अजेय बनाती है।

परिचय

किले से संबंधित प्रमुख ऐतिहासिक स्थानों में नौलखा दरवाजा, हाथीपोल, गणेशपोल, सुरजपोल और त्रिपोलिया प्रमुख प्रवेश द्वार है। त्रिपोलिया अंधेरी दरवाजा भी कहलाता है। इसके पास से एक सुरंग महलों तक गई है। किले तक पहुँचने के लिए कई उतार–चढ़ाव, संकरे व फिसलन वाले रास्ते तय करने के साथ नौलखा, हाथीपोल, गणेशपोल और त्रिपोलिया द्वार पार करना पड़ता है। इस किले में हम्मीर महल, सुपारी महल, हम्मीर कचहरी, बादल महल, जबरा–भंवरा, 32 खम्बों की छतरी, रनिहाड़ तालाब, महादेव की छतरी, गणेश मंदिर, चामुंडा मंदिर, ब्रह्मा मंदिर, शिव मंदिर, जैन मंदिर, पीर सहरुद्दीन की दरगाह, सामंतो की हवेलियाँ तत्कालीन स्थापत्य कला के अनूठे प्रतीक है। राणा सांगा की रानी कर्मवती द्वारा शुरू की गई अधूरी छतरी भी दर्शनीय है। दुर्ग का मुख्य आकर्षण हम्मीर महल है जो देश के सबसे प्राचीन राजप्रसादों में से एक है। स्थापत्य के नाम पर यह दुर्ग भी भग्न–समृधि की भग्न–स्थली है।

विश्व धरोहर रणथंभोर दुर्ग

कंबोडिया के नामपेन्ह शहर में यूनेस्को की विरासत संबंधी वैश्विक समिति की 36वीं बैठक में दिनांक 21जून 2013 शुक्रवार को भारत का पहाड़ी दुर्ग रणथंभोर का चयन किया गया, इस दुर्ग के घटनाक्रम को विश्व में लाइव देखा गया और सराहा गया। रणथंभोर दुर्ग के अलावा राजस्थान में जंतर–मंतर वेधशाला, घना पक्षी विहार, आमेर का दुर्ग, गागरोन का किला, कुंभलगढ़ का किला, जैसलमेर का दुर्ग एवं चितौड़गढ़ का किला भी विश्व धरोहर में शामिल है।

निर्माण काल

इस किले का निर्माण कब हुआ कहा नहीं जा सकता, लेकिन ज्यादातर इतिहासकार इस दुर्ग का निर्माण चौहान राजा रणथंबन देव द्वारा 944 में निर्मित मानते है, इस किले का अधिकांश निर्माण कार्य चौहान राजाओं के शासन काल में ही हुआ है। दिल्ली के सम्राट पृथ्वीराज चौहान के समय भी यह किला मौजूद था और चौहानों के ही नियंत्रण में था।

शासक

1192 में तहराइन के युद्ध में मुहम्मद गौरी से हारने के बाद दिल्ली की सत्ता पर पृथ्वीराज चौहान का अंत हो गया और उनके पुत्र गोविन्द राज ने रणथंभोर को अपनी राजधानी बनाया। गोविन्द राज के अलावा वाल्हण देव, प्रहलादन, वीरनारायण, वाग्भट्ट, नाहर देव, जैमेत्र सिंह, हम्मीरदेव, महाराणा कुम्भा, राणा सांगा, शेरशाह सुरी, अलाऊद्दीन खिलजी, राव सुरजन हाड़ा और मुगलों के अलावा आमेर के राजाओं आदि का समय–समय पर नियंत्रण रहा लेकिन इस दुर्ग की सबसे ज्यादा ख्याति हम्मीर देव (1282–1301) के शासन काल में रही। हम्मीरदेव का 19 वर्षों का शासन इस दुर्ग का स्वर्णिम युग था। हम्मीर देव चौहान ने 17 युद्ध किए जिनमें 13 युद्धों में उसे विजय श्री मिली। करीब एक शताब्दी तक ये दुर्ग चितौड़ के महाराणाओं के अधिकार में भी रहा। खानवा युद्ध में घायल राणा सांगा को इलाज के लिए इसी दुर्ग में लाया गया था।

आक्रमण

रणथंभोर दुर्ग पर आक्रमणों की भी लम्बी दास्तान रही है, जिसकी शुरुआत दिल्ली के कुतुबुद्दीन ऐबक से हुई और मुगल बादशाह अकबर तक चलती रही। मुहम्मद गौरी व चौहानों के मध्य इस दुर्ग की प्रभुसत्ता के लिये 1209 में युद्ध हुआ। इसके बाद 1226 में इल्तुतमीश ने, 1236 में रजिया सुल्तान ने, 1248–58 में बलबन ने, 1290–1292 में जलालुद्दीन खिलजी ने, 1301 में अलाऊद्दीन खिलजी ने, 1325 में फिरोजशाह तुगलक ने, 1489 में मालवा के मुहम्मद खिलजी ने, 1429 में महाराणा कुम्भा ने, 1530 में गुजरात के बहादुर शाह ने, 1543 में शेरशाह सुरी ने आक्रमण किये। 1569 में इस दुर्ग पर दिल्ली के बादशाह अकबर ने आक्रमण कर आमेर के राजाओं के माध्यम से तत्कालीन शासक राव सुरजन हाड़ा से सन्धि कर ली।

वर्तमान

कई ऐतिहासिक घटनाओं व हम्मीरदेव चौहान के हठ और शौर्य के प्रतीक इस दुर्ग का जीर्णोद्धार जयपुर के राजा पृथ्वी सिंह और सवाई जगत सिंह ने कराया। महाराजा मान सिंह ने इस दुर्ग को शिकारगाह के रुप में परिवर्तित कराया। आजादी के बाद यह दुर्ग सरकार के अधीन हो गया जो 1964 के बाद से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के नियंत्रण में है।

हमारा स्वास्थ्य

10 कारण कि हम करें सूर्य से प्यार

संकलनकर्ता – डॉ. पी.सी. जैन

सूर्य से हमें प्रकाश ही नहीं मिलता बल्कि इससे कई सामान्य और खतरनाक बीमारियों से बचाव होता है, हमारे शरीर को विटामिन डी भी मिलता है जिससे हड्डियां मजबूत होती हैं।

1. धूप सेंकने के फायदे

धूप हमें प्रकाश ही नहीं देता है बल्कि इससे हमारे स्वास्थ्य को कई तरह के फायदे भी होते हैं। सूर्य से निकलने वाली रोशनी में विटामिन डी होता है जिसकी कमी से शरीर में मेटाबोलिक हड्डियों की बीमारी हो जाती है जो युवाओं में होने वाली गंभीर बीमारी है। यह हमारे शरीर में विटामिन डी की कमी को पूरा करता है। सूर्य के प्रकाश के लाभ सिर्फ विटामिन डी तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसके कई अन्य लाभ भी होते हैं और कई दूसरी बीमारियों से भी बचाव होता है।

2. अच्छी नींद आती है

धूप सेंककर आप रात में अच्छी नींद ले सकते हैं। दरअसल सूर्य की रोशनी में बैठने से शरीर में मेलाटोनिन नाम का हार्मोन विकसित होता है जिससे रात में अच्छी नींद आती है, अनिद्रा की बीमारी इससे दूर जाती है। यानी रात में बेहतर नींद के लिए सूर्य से प्यार कीजिए।

3. वजन घटायें

वजन घटाने के लिए आप कई तरीके आजमाते और बहुत मेहनत भी करते हैं। लेकिन आप यह जानकर हैरान न हों कि वजन कम करने में सूर्य आपकी सहायता कर सकते हैं। दिन में धूप में बैठने से आपको वजन घटाने में सहायता मिल सकती है। एक शोध के मुताबिक यह बात सामने आई है कि सूर्य के प्रकाश और बीएमआई के बीच एक अच्छा संबंध होता है।

4. ठंड दूर भगाये

अगर आप सर्दी के मौसम में ठंड से कांप रहे हैं तो सूर्य की रोशनी में जाइये जनाब, यह एक प्राकृतिक अलाव है जो ठंड दूर करेगा और आपको बीमारियों से भी बचायेगा।

5. हड्डियां मजबूत बनायें

हड्डियों को सही तरीके से पोषण न मिलने से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों से संबंधित बीमारियां जैसे– गठिया, गाउट आदि होने की संभावना बढ़ जाती है। जबकि सूर्य की रोशनी में बैठने से हड्डियां मजबूत होती हैं क्योंकि इसमें विटामिन डी होता है।

6. इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाये

इम्यून सिस्टम अगर कमजोर हो जाये तो पेट ससंबंधित कई तरह के रोग हो जाते हैं, इसलिए इसे मजबूत बनाये रखना जरूरी है। धूप से शरीर का इम्यून सिस्टम मजबूत हो जाता है। सूर्य से निकलने वाली अल्ट्रावॉयलेट किरणें इम्यून सिस्टम की हाईपरएक्टिविटी को नकारती हैं और सोराईसिस जैसी बीमारियों से बचाव करती हैं।

7. उम्र बढ़ती है

अगर आपकी चाहत लंबी उम्र पाने की है तो नियमित रूप से धूप से स्नान कीजिए। क्योंकि यह खून जमने, डायबिटीज एवं ट्यूमर को ठीक करता है, प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाता है एवं पैरों में खून जमने का खतरा बिल्कुल नहीं रहता। ठंडे क्षेत्र में शीतकाल में यह खतरा ज्यादा रहता है। यह डायबिटीज जैसी बीमारी से भी बचाव करता है और अन्य बीमारियों से बचाता है। अगर ये सारी समस्याएं न हों तो उम्र बढ़ेगी ही।

8. बांझपन दूर करे

यदि पुरुष बांझपन के शिकार हैं तो उनके लिए सूर्य धूप रामबाण दवा की तरह है। धूप सेंकने से शुक्राणुओं की गुणवत्ता में सुधार आता है। खून में सूर्य धूप से मिले विटामिन डी के बढ़ने के कारण ऐसा होता है। इसके अलावा यह वियाग्रा दवा की भांति भी काम करता है। यह टेस्टोस्टोरेन हार्मोन के स्राव को भी बढ़ाता है।

9. दिमाग को स्वस्थ रखे

सूर्य से निकलने वाले प्रकाश में मौजूद विटामिन डी से दिमाग स्वस्थ रहता है। विटामिन डी भविष्य में होने वाली बीमारी सीजोफ्रेनिया (पागलपन की बीमारी) के खतरे को कम करता है। यह दिमाग को स्वस्थ रखता है और इसके संतुलित विकास में सहायता प्रदान करता है। गर्भवती महिला के धूप सेंकने से यह लाभ बच्चे को भी मिलता है।

10. दिल के रोगों से बचाये

सूर्य से मिलने वाले विटामिन डी से हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत होती है और कैंसर का खतरा कम होता है। यह मेटाबॉलिज्म को सुधारता है जिससे मधुमेह एवं हृदय रोग काबू में रहते हैं। धूप दिल की बीमारियों को रोकने में मददगार होता है।

हमारे महापुरुष

भारत रत्न : चन्द्रशेखर वेंकटरमन

–स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

भारत रत्न चन्द्रशेखर वेंकटरमन भारतीय भौतिक–शास्त्री थे। प्रकाश के प्रकीर्णन पर उत्कृष्ट कार्य के लिये वर्ष 1930 में उन्हें भौतिकी का प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार दिया गया। उनका आविष्कार उनके ही नाम पर **'रामन प्रभाव'** के नाम से जाना जाता है। 1954 ई. में उन्हें भारत सरकार द्वारा भारत रत्न की उपाधि से विभूषित किया गया तथा 1957 में लेनिन शान्ति पुरस्कार प्रदान किया गया।

परिचय

चन्द्रशेखर वेंकटरमन का जन्म 7 नवम्बर सन् 1888 ई. में तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली नामक स्थान में हुआ। आपके पिता चन्द्रशेखर अय्यर एस.पी.जी. कॉलेज में भौतिकी के प्राध्यापक थे। आपकी माता पार्वती अम्मल एक सुसंस्कृत परिवार की महिला थी। सन् 1892 ई. में पिता चन्द्रशेखर अय्यर विशाखापट्टनम के श्रीमती ए.वी.एन. कॉलेज में भौतिकी और गणित के प्राध्यापक होकर चले गए। उस समय वेंकटरमन की अवस्था चार वर्ष की थी। प्रारम्भिक शिक्षा विशाखापट्टनम में हुई। वहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य और विद्वानों की संगति से विशेष रूप से प्रभावित हुए।

विलक्षण प्रतिभा के धनी वेंकटरमन ने बारह वर्ष की अल्पावस्था में ही मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली थी। तभी इन्हें श्रीमती एनी बेसेंट का भाषण सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उनके लेख पढ़ने को मिले....रामायण, महाभारत जैसे धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन किया। इससे इनके हृदय पर भारतीय गौरव की अमिट छाप पड़ गई। पिता की इच्छा थी कि बालक वेंकटरमन को उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजा जाय, किन्तु एक ब्रिटिश डॉक्टर ने इनके स्वास्थ्य को देखते हुए विदेश न भेजने का परामर्श दिया। फलतः स्वदेश में ही अध्ययन करना पड़ा। वेंकटरमन ने सन् 1903 ई. में चेन्नई के प्रेसीडेंसी कॉलेज में प्रवेश लिया। यहाँ के प्राध्यापक इनकी योग्यता से इतने प्रभावित हुए कि अनेक कक्षाओं में उपस्थित होने से छूट मिल गई। बी.ए. की परीक्षा में विश्वविद्यालय में वेंकटरमन अकेले ही प्रथम श्रेणी में आए। भौतिकी में स्वर्णपदक दिया गया। वेंकटरमन ने 1907 में मद्रास विश्वविद्यालय से गणित में प्रथम श्रेणी में एमए की डिग्री विशेष योग्यता के साथ हासिल की।

आपने शिक्षार्थी के रुप में कई महत्त्वपूर्ण कार्य किए। सन् 1906 ई. में आपका प्रकाश विवर्तन पर पहला शोध पत्र लंदन की फिलसोफिकल पत्रिका में प्रकाशित हुआ। उसका शीर्षक था – 'आयताकृत छिद्र के कारण उत्पन्न असीमित विवर्तन पट्टियाँ'। जब प्रकाश की किरणें किसी छिद्र में से अथवा किसी अपारदर्शी वस्तु के किनारे पर से गुजरती हैं तथा किसी पर्दे पर पड़ती हैं, तो किरणों के किनारे पर मद–तीव्र अथवा रंगीन प्रकाश की पट्टियां दिखाई देती है। यह घटना 'विवर्तन' कहलाती है। विवर्तन गति का सामान्य लक्षण है। इससे पता चलता है कि प्रकाश तरगों में निर्मित है।

उन दिनों प्रतिभाशाली व्यक्ति के लिए भी वैज्ञानिक बनने की सुविधा नहीं थी। लेकिन किसी ने सच ही कहा है कि उभरती प्रतिभा को कोई नहीं रोक सकता। वेंकटरमन ने साबित कर दिखाया, वे भारत सरकार के वित्त विभाग की प्रतियोगिता में बैठे और प्रथम आए और असिस्टेंट एकाउटेंट जनरल बनकर कलकत्ते चले गए। परन्तु इस प्रतिभा का यह अन्तिम मुकाम नहीं था। एक दिन कार्यालय से लौट रहे थे कि एक साइन बोर्ड देखा, जिस पर लिखा था 'वैज्ञानिक अध्ययन के लिए भारतीय परिषद (इंडियन एसोसिएशन फॉर कल्टीवेशन आफ साईंस)'। मानो इन्हें बिजली का करण्ट छू गया हो। तभी ये ट्राम से उतरे और परिषद् कार्यालय में पहुँच गए। वहाँ पहुँच कर अपना परिचय दिया और परिषद् की प्रयोगशाला में प्रयोग करने की आज्ञा पा ली।

तत्पश्चात् वेंकटरमन का तबादला पहले रंगून और फिर नागपुर को हुआ। अब आपने घर में ही प्रयोगशाला बना ली थी और समय मिलने पर उसी में प्रयोग करते रहते थे। सन् 1911 ई. में तबादला फिर कलकत्ता हो गया, तो यहाँ पर परिषद् की प्रयोगशाला में प्रयोग करने का फिर सुअवसर मिल गया। यह क्रम सन् 1917 ई. तक निर्विघ्न रुप से चलता रहा। इस अवधि के बीच आपके अंशकालिक अनुसंधान का क्षेत्र था – ध्वनि के कम्पन और कार्यों का सिद्धान्त। आपका वाद्यों की भौतिकी का ज्ञान इतना गहरा था कि सन् 1927 ई. में जर्मनी में प्रकाशित बीस खण्डों वाले भौतिकी विश्वकोश के आठवें खण्ड के लिए वाद्ययंत्रों की भौतिकी का लेख आपसे तैयार करवाया गया। भौतिकी कोश में वेंकटरमन ही ऐसे लेखक हैं जो जर्मन नहीं है।

कलकत्ता विश्वविद्यालय में सन् 1917 ई में भौतिकी के प्राध्यापक का पद बना तो वहाँ के कुलपति आशुतोष मुखर्जी ने इसके लिए आपको आमंत्रित किया। उनका निमंत्रण स्वीकार कर वेंकटरमन ने उच्च सरकारी पद से त्याग–पत्र दे दिया। कलकत्ता विश्वविद्यालय में आपने कुछ वर्षों में वस्तुओं में प्रकाश के चलने का अध्ययन किया। इनमें किरणों का पूर्ण समूह बिल्कुल सीधा नहीं चलता है। उसका कुछ भाग अपनी राह बदलकर बिखर जाता है।

क्या है रामन प्रभाव

सन् 1921 ई. में आप विश्व विद्यालयों की कांग्रेस में प्रतिनिधि बन गए ऑक्सफोर्ड गए। वहां जब अन्य प्रतिनिधि लंदन में दर्शनीय वस्तुओं को देख अपना मनोरंजन कर रहे थे, वहाँ आप सेंट पाल के गिरजाघर में उसके फुसफुसाते गलियारों का रहस्य समझने में लगे हुए थे। जब आप जलयान से स्वदेश लौट रहे थे, तो आपने भूमध्य सागर के जल में उसका अनोखा नीला व दूधियापन देखा। कलकत्ता विश्वविद्यालय पहुँच कर आपने पार्थिव वस्तुओं में प्रकाश के बिखरने का नियमित अध्ययन शुरु कर दिया। इसके माध्यम से लगभग सात वर्ष उपरांत, आप अपनी उस खोज पर पहुँचें, जो 'रामन प्रभाव' के नाम से विश्व विख्यात है। आपका ध्यान 1927 ई. में इस बात पर गया कि जब एक्स किरणें प्रकीर्ण होती हैं, तो उनकी तरंग लम्बाइयां बदल जाती हैं। तब प्रश्न उठा कि साधारण प्रकाश में भी ऐसा क्यों नहीं होना चाहिए?

आपने पारद आर्क के प्रकाश का स्पेक्ट्रम स्पेक्ट्रोस्कोप में निर्मित किया। इन दोनों के मध्य विभिन्न प्रकार के रासायनिक पदार्थ रखे तथा पारद आर्क के प्रकाश को उनमें से गुजार कर स्पेक्ट्रम बनाए। आपने देखा कि हर एक स्पेक्ट्रम में अन्तर पड़ता है। हर एक पदार्थ अपनी–अपनी प्रकार का अन्तर डालता है। तब श्रेष्ठ स्पेक्ट्रम चित्र तैयार किए गए, उन्हें मापकर तथा गणित करके उनकी सैद्धान्तिक व्याख्या की गई। प्रमाणित किया गया कि यह अन्तर पारद प्रकाश की तरंग लम्बाइयों में परिवर्तित होने के कारण पड़ता है। रामन् प्रभाव का उद्घाटन हो गया।

पुरस्कार एवं सम्मान

चन्द्रशेखर वेंकटरमन सन् 1924 ई. में अनुसंधानों के लिए रॉयल सोसायटी, लंदन के फैलो बनाए गए। रामन प्रभाव के लिए आपको सन् 1930 ई. में नोबेल पुरस्कार दिया गया। रामन प्रभाव के अनुसंधान के लिए नया क्षेत्र खुल गया।

1948 में सेवानिवृति के बाद उन्होंने रामन् शोध संस्थान की बैंगलोर में स्थापना की और इसी संस्थान में शोधरत रहे। 1954 ई. में भारत सरकार द्वारा भारत रत्न की उपाधि से विभूषित किया गया। आपको 1957 में लेनिन शान्ति पुरस्कार भी प्रदान किया था।

28 फरवरी 1928 को चन्द्रशेखर वेंकटरमन ने 'रामन प्रभाव' की खोज की थी जिसकी याद में भारत में इस दिन को प्रत्येक वर्ष 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

कब्ज के लिए 10 घरेलू उपाय

–स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

अधिकांष बीमारियों का उद्गम पेट से ही होता है, और पेट में कब्ज का होना इसका एक बड़ा कारण है। अनियमित दिनचर्या और खान–पान के कारण आज की भागदौड़ भरी जिन्दगी में कब्ज की समस्या होना आम बात है। भोजन के बाद बैठे रहने और रात के खाने के बाद सीधे सो जाने जैसी आदतें कब्ज के लिए जिम्मेदार होती हैं। इससे निपटने के 10 घरेलू उपाय –

1. सुबह उठने के बाद पानी में नींबू का रस और काला नमक मिलाकर पिएं। इससे पेट अच्छी तरह साफ होगा और कब्ज की समस्या नहीं होगी।
2. कब्ज के लिए शहद बहुत फायदेमंद है। रात को सोने से पहले एक चम्मच शहद को एक गिलास पानी के साथ मिलाकर पिएं। इसके नियमित सेवन से कब्ज की समस्या दूर हो जाती है।
3. सुबह उठकर प्रतिदिन खाली पेट, 4 से 5 काजू, उतने ही मुनक्का के साथ मिलाकर खाने से भी कब्ज की शिकायत समाप्त हो जाती है। इसके अलावा रात को सोने से पहले 6 से 7 मुनक्का खाने से भी पाचन प्रक्रिया सशक्त होती है और कब्ज ठीक हो जाता है।
4. प्रतिदिन रात में हरड़ के चूर्ण या त्रिफला को कुनकुने पानी के साथ पिएं। इससे कब्ज दूर होगा, साथ ही पेट में गैस बनने की समस्या से भी निजात मिलेगी।
5. कब्ज के लिए आप सोते समय अरंडी के तेल को हल्के गर्म दूध में मिलाकर पी सकते हैं। इससे पेट साफ होता है और कब्ज की समस्या नहीं होती।
6. ईसबगोल की भूसी कब्ज के लिए रामबाण इलाज है। आप इसका प्रयोग दूध या पानी के साथ, रात को सोते वक्त कर सकते हैं। इससे कब्ज की समस्या बिल्कुल समाप्त हो जाएगी।
7. फलों में अमरूद और पपीता, कब्ज के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इनका सेवन किसी भी समय किया जा सकता है। इन्हें खाने से पेट की समस्याएं तो समाप्त होती ही हैं, त्वचा भी खूबसूरत बनती है।
8. किशमिश को कुछ देर तक पानी में गलाने के बाद, इसका सेवन करने से कब्ज की शिकायत दूर हो जाती है। इसके अलावा अंजीर को भी रातभर पानी में गलाने के बाद उसका सेवन करने से कब्ज की समस्या खत्म होती है।
9. पालक भी कब्ज के मरीजों के लिए एक अच्छा विकल्प है। प्रतिदिन पालक के रस को दिनचर्या में शामिल कर, आप कब्ज से आजदी पा सकते हैं, साथ ही इसकी सब्जी भी सेहत के लिए अच्छी होती है। लेकिन अगर आप पथरी के मरीज हैं, तो इसका इस्तेमाल न करें।
10. कब्ज से बचने के लिए नियमित रूप से व्यायाम और योगा करना बेहद फायदेमंद होता है। इसके अलावा हमेशा गरिष्ठ भोजन करने से बचना चाहिए।

इसके इलावा कब्ज की परेशानी अत्यधिक होने पर आप डॉक्टर की सलाह अवश्य लें।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'मरूवासी' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

मरूवासी
Desert Folk

मरूवासी दक्षता बैज के लिए निम्नलिखित जानकारी होनी चाहिए–

(1) मरूभूमि में जीवन :– स्वयं के अध्ययन और मरू जीवन का अवलोकन करने के आधार पर निम्न के बारें में जाने –

(i) भौगोलिक परिस्थितियाँ–भूमि, नदियाँ, जलवायु आदि।

(ii) निवासियों की दैनिकचर्या

(iii) जीवन स्तर व पद्धति, सामान्यतया पहने जाने वाली गणवेष, भोजन–सम्बन्धी आदतें इत्यादि।

(iv) लोगों की सामान्य आदतें, विशेष रीति–रिवाज, मान्यताएँ, धर्म, अन्धविश्वास, सामाजिक बन्धन।

(v) जीवन–यापन के तरीके।

(vi) प्रकृति द्वारा उत्पन्न की गई लोगों की सामान्य समस्याएँ तथा उनके समाधान के तरीके।

उपरोक्त से सम्बन्धित तीन भ्रमण करें तथा उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें यह रिपोर्ट उसके गाँव या शहर के चारों ओर 24 कि. मी. क्षेत्र से सम्बन्धित होना चाहिए। साथ ही इस रिपोर्ट में गाँव से सम्बन्धित घरों, मार्गो, जल स्थान, नखलिस्तान तथा उस क्षेत्र में शिविर लगाने के स्थानों की सूचना सम्मिलित हों।

(2) प्रकृति अध्ययन–

(i) क्षेत्र के मौसम की भविष्यवाणी सम्बन्धी प्रचलित कहावतों और लोकोक्तियों की जानकारी होनी चाहिए तथा उनका संग्रह भी करना चाहिए। इन लोकोक्तियों को अपने निजी अवलोकन के आधार पर एक लॉग बुक तैयार करें।

(ii) हवा के वेग की जानकारी हो।

(3) जल और सिंचाई–

(i) सिंचाई की विधियों और पानी साफ करने के तरीकों को जाने तथा दूषित जल के उपयोग से होने वाले खतरों की जानकारी रखे। पानी की कमी की स्थिति को दूर करने के लिए दी जाने वाली सरकारी सहायता की जानकारी रखे।

(ii) क्षेत्र की मुख्य फसलों व अनाज के सिंचाई हेतु प्रयोग में आने वाले नहर या बाँध तथा पानी को मैदान में संरक्षित करने के बारे में जाने।

(4) हस्तकला अपने क्षेत्र में उपलब्ध प्राकृतिक सामग्री से रस्सी का एक टुकड़ा तैयार करे या चारपाई की बुनाई करे अथवा एक अतुकृति (माडल) या एक छप्पर बनाए और इसका उपयोग दिखाए।

(5) भ्रमण (हाइक)

(i) भ्रमण के माध्यम से मरूस्थलीय क्षेत्र का विशिष्ट प्राकृतिक उल्लेखनीय बातों, यथा–मृगतृष्णा और भँवरी (भुस्खलन) आदि की जानकारी प्राप्त करे।

(ii) कम–से–कम 51 घंटे टिड्डी–विरोधी अभियान सेवा कार्य करें या किसी भी प्रकार की स्वीकृत समाज सेवा करें। ■

स्काउट गाइड स्थापना दिवस

बाल्यावस्था से ही मार्गदर्शन प्रदान करने वाले इस संगठन में स्काउट गाइड दिवस 7 नवम्बर को मनाया जाना है। नवम्बर माह का यह दिवस स्काउट गाइड बच्चों से सम्बद्ध और बच्चों को समर्पित है। इस महीने को भारत स्काउट व गाइड संगठन के एकीकरण के रूप में सदा याद रखा जाता है और इस दिवस का हमारे लिए विशेष महत्व है। इस दिन प्रत्येक स्काउट गाइड को समाज सेवा व भलाई का कार्य करते हुए जनता के निकट आने का प्रयास करना है, जिससे स्काउटिंग–गाइडिंग जन–जन के हृदय तक पहुंच सके।

इस दिन पूरे राष्ट्र में फ्लेग स्टीकर की बिक्री अभियान का आगाज़ भी किया जाना है, जो स्काउट गाइड को स्वावलम्बन के प्रति जागृत करती है। यूं कहा जा सकता है कि यह दिन स्वावलम्बन व सेवा को समर्पित करना है। स्काउट गाइड को इस संगठन की महत्ता से अवगत कराते हुए फ्लेग डे मनाना है और यथा संभव सेवा कार्य कर जनचेतना जगानी है।

गतिविधि पञ्चांग

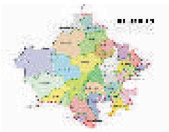

राज्य पञ्चांग

PROPOSED

नाम शिविर/गतिविधि	स्थान	तिथियां
भारत स्काउट/गाइड स्थापना दिवस	ग्रुप/स्था. संघ/सभी स्तर	07.11.2025.
19वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी सम्मेलन शिविर	जगतपुरा, जयपुर	18 से 21.11.2025
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न.1	21 से 25.11.2025
कोलायत मेला सेवा शिविर (सम्भाग स्तर)	कोलायत, बीकानेर	मेले के अनुसार
स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	जिला स्तर पर	22 से 28.11.2025
कब/बुलबुल एक रात्रि शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30.11.2025 तक
द्वितीय/तृतीय सोपान स्काउट/गाइड जाँच शिविर	स्था. संघ स्तर पर	30.11.2025 तक
निःशक्तजन स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30.11.2025 तक
अनाथालय स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30.11.2025 तक
अनुसूचित जाति स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.11.2025 तक
डेजर्ट ट्रेकिंग कम एडवेंचर कैम्प	जैसलमेर	11 से 15.12.2025
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न. 1	21 से 25.12.2025
रोवर मूट/रेंजर मीट व यूथ वर्कशॉप	सवाईमाधोपुर	26 से 30.12.2025
राज्य स्तरीय मासिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	राज्य स्तर पर	30.12.2025 तक
पाक्षिक ऑर्गेनाइजर्स ऑनलाइन संगोष्ठी	मण्डल स्तर पर	30.12.2025 तक
स्वच्छ भारत मिशन पर कार्य	जिला स्तर	प्रतिमाह
डी.एल.एड/बी.एड बेसिक कोर्स/ग्रुप शिविर/बिगिनर्स कोर्स	जिला स्तर पर	प्रति माह

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
Grand Finale Diamond Jubilee Jamboree And 19th National Jamboree	23 - 29 November 2025	Lucknow, UttarPradesh
National Youth Adventure Programme	Dec.2025 to March 2026	Sarsai, Manali, HP
National Youth Adventure Programme	Oct.2025 to March 2026	Sam Sand Dunes, Jaisalmer

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
Lesotho Rover Moot 2025	28 Nov - 07 Dec. 2025	Butha-Buthe, Lesotho
Camp Next 2026, International Camp	25 - 30 January, 2026	Taichung City, Taiwan
Jamboree Denmark 2026	18 - 26 July 2026	Hedeland Naturepark
26th World Scout Jamboree-Poland	30 July - 08 August 2027	Gdansk, Northern Poland

National Headquarters website : www.bsgindia.org

चित्र विथिका

झुंझुनू में आयोजित राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर में सहभागिता करते स्काउट्स

जयपुर में आयोजित गाइड यूनिट लीडर एवं फ्लॉक लीडर बेसिक कोर्स की संभागी गाइडर्स एवं प्रशिक्षक दल का ग्रुप फोटो

जिला प्रशिक्षण केंद्र ताऊसर, नागौर में आयोजित शिविर में ध्वजारोहण पर ध्वज को सलामी देते संभागी स्काउटर्स एवं गाइडर्स

राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, जगतपुरा, जयपुर पर आयोजित ऑर्गेनाइजर्स संगोष्ठी में मंचासीन राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य एवं संगोष्ठी का ध्वजारोहण से शुभारम्भ के अवसर पर उपस्थित प्रदेश के समस्त ऑर्गेनाइजर्स

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह

प्रकाशन - प्रत्येक माह

पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत

आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835

प्रेषक :-

राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015

फोन : 0141-2706830, 2941098

ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com